दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 107
कोटद्वार शुक्रवार
11 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं

दैनिक जयन्त

www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

मैक्स खाई में गिरी, पति-पत्नी समेत 6 लोग घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पहाड़ में दुर्घटनाओं का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। विकासखंड कल्जीखाल के मनियारस्यूं पट्टी के बड़कोट खैरालिंग मंदिर के समीप एक मैक्स वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में 7 लोग घायल हो गये। तीन गंड्डीर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंडियाल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल पौड़ी रैफर किया गया।

कल्जीखाल ब्लाक के नाहसैंण-बडकोट-कांसखेत मोटरमार्ग पर बडकोट गांव की सरहद के समीप खैरालिंग मंदिर के उपरी बैंड पर एक टाटा सूमो बैक करते हुए 30 मीटर खाई में गिर गई। गनीमत रही की वाहन घनी झाड़ियां होने कारण उसकी पलटने की गति कम हो गई। वाहन में चालक सहित 7 लोग संवार थे। राजस्व उप निरीक्षक धजवीर सिंह चौहान ने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से सड्डी घायलों का रैस्क्यू किया और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंडियाल में ड्रार्ती करवाया। महंत इंद्रेश अस्पताल के चिकित्सा प्रड्डारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि दुर्घटना में बड़कोट निवासी 76 वर्षीय उमा देवी व 60 वर्षीय शमा देवी, 80 वर्षीय गुलाब सिंह गंभीर रूप

से घायल हो गए। जिनको जिला अस्पताल पौड़ी के लिए रेफर कर दिया है। गुलाब सिंह और उमा देवी पति-पत्नी है। जबकि दुर्घटना में घायल अन्य 3 का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंडियाल में उपचार किया जा रहा है। घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियो के अनुसार वाहन ने बढ़कोट गांव के स्वारियो घंडियाल आना था, लेकिन वाहन चालक एक सवारी के लिए नाहसैन वाली कच्ची रोड़ पर गया, वापस बैक करते समय ब्रेक नहीं ली और वाहन 30 मीटर खाई में गिर गया।

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिरा

अधीर रंजन लोकसभा से निलंबित, पीएम ने विपक्ष को लताड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए पीएम मोदी सदन में पहुंचे। उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुझे 20 साल हो गए हैं इस संसद में, लेकिन ऐसा दृश्य मैंने 2 दशक में नहीं देखा है। प्रधानमंत्री के प्रति जो शब्द इस्तमाल किए गए हैं विपक्ष के द्वारा, मैं मानता हूं कि सदन के सामने नहीं, लेकिन देश की जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए।

अधीर रंजन चौधरी के बयान को लेकर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आपत्ति जताई। उन्होंने मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कांग्रेस सांसद को सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि समिति की रिपोर्ट आने तक अधीर रंजन को निलंबित किया जाए। लोकसभा अध्यक्ष ने जोशी के प्रस्ताव पर मतदान कराया, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने विपक्ष को जमकर लताड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5 मार्च 1966 को कांग्रेस ने अपनी वायु सेना से मिजोरम में असहाय नागरिकों पर हमला करवाया। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या यह किसी अन्य देश की वायु सेना थी। क्या मिजोरम के लोग मेरे देश के नागरिक नहीं थे? क्या उनकी सुरक्षा भारत सरकार की जिम्मेदारी नहीं थी?

पीएम मोदी ने कहा कि इनकी पीड़ा, संवेदना सेलेक्टिव है। इनकी सभी बातें राजनीति से शुरू होती है,राजनीति पर खत्म होती है। इन्हें राजनीति के अलावा कुछ नहीं सूझता। मणिपुर में छह साल से जो सरकार है, वह समस्या का हल ढूढ रही है। पहले तो आए दिन बंद होता था, कर्फ्यू लगता था। अब सरकार उसका समाधान खोज रही है। नॉर्थ ईस्ट जिस प्रकार से साउथ एशिया का विकास हो रहा है। हमारा नॉर्थ ईस्ट विकसित होने जा रहा है, इस विकास का केंद्र बिंदू बनने जा रहा है। इसलिए हमारी सरकार ने नॉर्थ ईस्ट को प्राथमिकता दी है। नौ सालों में हमने पूर्वोत्तर के लिए अहम काम प्राथमिकता के साथ किया है।

उन्होंने कहा कि यहां सदन में मां भारती के बारे में जो कहा गया है, उसने हर भारतीय की भावना को गहरी ठेस पहुंचाई है। मुझे नहीं पता कि क्या हो गया है। सत्ता के बिना ऐसा हाल किसी को हो जाता है। सत्ता सुख के बिना जी नहीं सकते? क्या भाषा बोल रहे हैं? पता नहीं क्यों कुछ लोगों को भारत की मां की मृत्यु की कामना करते देखा गया, इससे बड़ा दुख क्या होगा। ये लोग कभी लोकतंत्र की, कभी संविधान की हत्या की बात करते हैं। दरअसल, जो इनके मन में है, वही उनके कृतित्व में सामने आ जाता है। मैं हैरान हूं। ये बोलने वाले कौन लोग हैं, देश भूल गया है। क्या विभाजन की पीड़ा हम भूल गए? उन चीखों को लेकर आज भी वह हमारे सामने आता है। वह लोग जिन्होंने मां भारती के तीन-तीन टुकड़े कर दिए, वह भी तब जब मां भारत की बेड़ियों को काटना था, तब इन्होंने मां भारती की भुजाएं काट दीं। ये लोग किस मुंह से ऐसा बोलने की हिम्मत करते हैं? ये वो लोग हैं, जिस वंदे मातरम गीत ने देश के लिए मर-मिटने की प्रेरणा दी थी। हिंदुस्तान के हर कोने में वंदे मातरम चेतना का स्वर बन गया था, इन्होंने वंदे मातरम गीत के भी टुकड़े कर दिए। ये वो लोग हैं, जो भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग को बढ़ावा देते हैं। ये उन लोगों की मदद कर रहे हैं, जो कहते हैं कि सिलीगुड़ी के पास जो कॉरिडोर हैं, उसे काट दें, तो पूर्वोत्तर अलग हो जाएगा।

जो बाहर गए, उन्हें पूछें कि कच्छतीवु कहां हैं, उनसे पूछिए। ये द्रमुक वाले मुझे चिट्ठी लिखते हैं कि मोदी जी उसे वापस ले आइए। तमिलनाडु से आगे और श्रीलंका से पहले यह टापू किसने किसी देश को दे दिया था? तब यह टापू मां भारती का अंग नहीं था? कौन था उस समय? श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में यह हुआ था। कांग्रेस का इतिहास मां भारती को छिन्न-भिन्न करने का रहा है। कांग्रेस का प्रेम क्या रहा है? एक सच्चाई बड़े दुख के साथ इस सदन के सामने रखना चाहता हूं। यह पीड़ा वह नहीं समझ पाएंगे, मैं चप्पे-चप्पे पर घुमा हुआ व्यक्ति हूं। मेरा इमोशनल अटैचमेंट है वहां के प्रति। मैं तीन प्रसंग आपके सामने रखना चाहता हूं।

'अगर इन्होंने मणिपुर पर चर्चा की गृह मंत्री की बात पर सहमति दिखाई देती थी तो विस्तृत चर्चा हो सकती थी। विस्तार से जब इन्होंने बात रखी तो पता चला कि ये लोग कैसा झूठ फैलाते हैं, कितना पाप फैला रखा है। मणिपुर की स्थिति पर देश के गृह मंत्री ने बड़े धैर्य से और राजनीति के बिना सारे विषय को विस्तार से समझाया। उसमें देश की जनता को जागरूक करने का प्रयास था। मणिपुर की समस्या के लिए रास्ते खोजने का प्रयास था।'

मणिपुर पर अदालत का फैसला आया। अब अदालतों में क्या हो रहा है, ये हम जानते हैं। उसके पक्ष-विपक्ष में स्थिति बनी। कई परिवारों को मुश्किल हुई। महिलाओं के साथ गंभीर अपराध हुए। यह अपराध अक्षम्य है।

दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। जिस प्रकार से प्रयास चल रहे हैं, निकट भविष्य में शांति का सूरज जरूर उगेगा। मणिपुर फिर एक बार नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। मैं मणिपुर के लोगों से भी आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं। वहां की माताओं, बहनों, बेटियों से कहना चाहता हूं- देश आपके साथ है। यह सदन आपके साथ है। हम सब मिलकर इस चुनौती का समाधान निकाल लिया, वहां शांति की स्थापना होगी। मणिपुर फिर विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़ेगा। प्रयासों में कोई कसर बाकी नहीं रहेगी।

'जिन लोगों ने गमले में कभी मूली नहीं उगाई, वो खेतों को देखकर हैरान होने ही हैं। जिन्होंने हमेशा गाड़ी का शीशा डाउन करके दूसरों की गरीबी देखी है, उन्हें सब हैरान करने वाला लग रहा है। इन लोगों को पता है कि इनकी नई दुकान पर कुछ दिनों में ताला लग जाएगा। आज इस चर्चा के बीच देश के लोगों को मैं बड़ी गंभीरता के साथ इस घमंडिया गठबंधन की आर्थिक नीति से भी सावधान करना चाहता हूं। ये घमंडिया गठबंधन ऐसी अर्थव्यवस्था चाहता है कि देश कमजोर हो। जिन आर्थिक नीतियों पर ये आगे बढ़ना चाहते हैं, जिस तरह खजाना लुटाकर वोट पाने का खेल खेल रहे हैं, आप आसपास के देशों में देख लीजिए। हमारे देश के राज्यों में भी इसका असर हो रहा है। चुनाव जीतने के लिए घोषणाएं की जा रही हैं। देशवासियों को सत्य समझाना चाहता हूं कि ये लोग भारत के दीवालिया होने की गारंटी है। ये अर्थव्यवस्था को डुबाने की गारंटी है। यह डबल डिजिटल महंगाई की गारंटी है। ये पॉलिसी पैरालिसिस की गारंटी है। तुष्टीकरण की गारंटी है।

अफसोस की बात है कि पीएम को मणिपुर जाने का समय नहीं मिला : चिदंबरम

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज किया और हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं करने को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल भी किया।

गृह मंत्री ने एक ट्वीट में कहा, जातीय सफाया शर्मनाक है। यह उनकी निगरानी में हुआ। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक शर्मनाक है कि इस पर राजनीति हो रही है, यह गलत है।

कांग्रेस नेता ने कहा, जातीय सफाए का मुद्दा उठाना और बहस करना हर नागरिक का कर्तव्य है, खासकर राजनीतिक नेताओं और सांसदों का। अफसोस की बात यह है कि प्रधानमंत्री को पिछले 100 दिनों में मणिपुर जाने का समय नहीं मिला। .

उनकी टिप्पणी तब आई, जब एक दिन पहले शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा था कि मणिपुर में जातीय संघर्ष शर्मनाक है, लेकिन इससे भी अधिक शर्मनाक बात यह है कि विपक्ष इस मुद्दे पर राजनीति कर रहा है।

शाह ने लोकसभा में पूछा, वीडियो को डीजीपी और पुलिस एजेंसियों के साथ साझा क्यों नहीं किया गया? पुलिस को घटनाओं के बारे में अंधेरे में क्यों रखा गया?

उन्होंने कहा, जैसे ही वीडियो सार्वजनिक डोमेन में आया, हमने तुरंत कार्रवाई की। हमने दोषियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

मणिपुर में तीन मई को जातीय संघर्ष भडक़ उठा और तब से अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है, जबकि हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

दीवार तोड़ घर में घुसा पानी का सैलाब, बच्ची की मौत, मलबे में साधु दफन

डोईवाला (ऋषिकेश)। उत्तराखंड में बारिश अपना कहर बरपा रही है।ऋषिकेश डोईवाला में भारी बारिश से एक नाले में पानी का सैलाब दीवार तोड़कर घर में घुस गया, जिससे घर में हड़कंप मच गया। इस दौरान घर में सो रही एक बच्ची की पानी में डूबने मौत हो गई। हादसे के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। वहीं दूसरी तरफ यहां दो साधु मलबे में दफन हो गए। इनमें से एक को ही बचाया जा सका।

डोईवाला माजरी ग्रांट रेशम माजरी वार्ड नंबर 10 हाईवे पर आनंद कोली का मकान है। देर रात भारी बारिश के बाद उनके घर के पास में खेत और नाले में पानी भर आया। अधिक बारिश से भारी पानी सैलाब बनकर उनके घर की ओर पहुंच गया। घर की दीवार तोड़कर पानी अंदर घुस गया। इस दौरान आनंद घर में प्रेस कर रहे थे और उनकी दो बेटियां आकांक्षा (12) और दृष्टि (8) सो रहे थी। घर में उनकी मां विधाता देवी भी मौजूद थी। पानी का सैलाब जैसे ही अंदर घुसा, घर के कमरे डूब गए। सामान इधर-उधर बहने लगा। घर में सो रही बच्ची भी डूबने लगी। आनंद ने किसी तरह दृष्टि को तो बचा लिया लेकिन पानी में आकांक्षा का कहीं पता नहीं चला। कुछ देर बाद जब वह मिली तो बेहोश हो चुकी थी। मौके पर परिजन तत्काल उसे हिमालय अस्पताल लेकर गए। जहां आंकाक्षा को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला चौरासी कुटिया के पास गुरुवार सुबह एक दीवार गिर गई। मलबे में दो साधु दब गए। आनन-फानन आसपास के लोगों ने एक साधु को निकाल लिया, जबकि दूसरी की तलाश की जा रही थी। कुछ देर बाद एसडीआरएफ ने दूसरे साधु का शव बरामद कर लिया है।

गंगा भी चेतावनी रेखा से पार पहुंच गई है। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी जा रही है।

मनसा देवी के पहाड़ से काली मंदिर के पास हुआ भूस्खलन

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार में गुरुवार को सुबह से ही बारिश का सिलसिला जारी है। इसके चलते मनसा देवी के पहाड़ से काली मंदिर के पास भूस्खलन हो गया। इस दौरान भारी मात्रा में मलबा रेलवे ट्रैक और मंदिर के पास गिर गया। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम ने आस-पास के क्षेत्र से लोगों को हटवाया। वहीं, मलबा आने के कारण बाधित रेलवे ट्रैक को चार घंटे के बाद सुचारू किया जा सका। हरिद्वार में गंगा चेतावनी निशान से 15 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सुबह 9 बजे गंगा का जलस्तर 293.15 मीटर दर्ज किया गया। जिलाधिकारी ने एक से लेकर 12 तक के स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है।

दूसरे दिन भी नहीं खुला कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग, पैदल ही नाप रहे सफर

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य भारी मलबा व बोल्डर आने से बंद है राष्ट्रीय राजमार्ग

पांचवे मील के समीप बरसाती रपटे में आए मलबे व बोल्डर को पार करते लोग।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने के कार्य में जुटी जेसीबी व पोंकलेंन मशीन

राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा व बोल्डर हटने का इंतजार करते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मंगलवार रात हुई अतिवृष्टि से बंद पड़ा नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग दूसरे दिन भी नहीं खुल सका। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग जेसीबी व पोकलेंट मशीनों की मदद से राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने की जद्दोजेहद में लगा हुआ है। वहीं, कई लोगों ने पैदल ही पहाड़ व मैदान का सफर तय किया।

मंगलवार रात कोटद्वार व दुगड्डा के मध्य सात से अधिक स्थानों पर भारी मलबा व बोल्डर आ गया था। बुद्धापार्क से करीब एक किलोमीटर आगे लोक निर्माण विभाग कालोनी के समीप पहाड़ी से भारी मलबा व बोल्डर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया था। सिद्धबली तिराहे से पांच सौ मीटर दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी भारी बोल्डर पड़ा हुआ था। यही से एक किलोमीटर आगे लालपुल से पहले पहाड़ी से भारी मलबा व बोल्डर आ गया था। पांचवे मील के समीप भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर यही स्थिति देखने को मिली थी। वहीं, कोटद्वार से करीब सात किलोमीटर आगे बरसाती रपटे में पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। मलबे व बोल्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग की पूरी सड़क दब गई है। पिछले 24 घंटे से राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग लगातार मलबा व बोल्डर हटाने के प्रयासों में जुटा हुआ है। गुरुवार दोपहर तक लालपुल के समीप तक मलबे को हटा दिया गया था। लेकिन, इससे आगे भारी तबाही होने के कारण बोल्डर व मलबा हटाने में काफी परेशानी हो रही है। एनएच के अवर अभियंता अरविंद जोशी ने बताया कि पोकलेंन मशीनों की मदद से मलबे व बोल्डर को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को सुचारू करने का प्रयास किया जा रहा है।

24 घंटे चल रहा काम

सरकारी सिस्टम लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने की जद्दोजेहद में लगा हुआ है। इसके लिए बकायदा बिजनौर से पोकलेंन मशीने भी मंगवाई गई है। पिछले दो दिन से दिन-रात मलबा व बोल्डर हटाने का प्रयास किया जा रहा है। पोकलेंन मशीन से मलबा व बोल्डर हटाने के बाद जेसीबी की मदद से मार्ग को साफ किया जा रहा है।

कोटद्वार में खड़े हैं भारी वाहन

कोटद्वार से पर्वतीय क्षेत्रों में सब्जी व अन्य आवश्यक सामग्री ले जाने वाले भारी वाहन पिछले दो दिन से कोटद्वार बुद्धापार्क के समीप खड़े हैं। वाहनों के पर्वतीय क्षेत्रों में नहीं पहुंचने के कारण पहाड़ में आवश्यक वस्तुओं की किल्लत भी हो सकती है। पहाड़ के कई क्षेत्रों में गुरुवार सुबह लोगों को दूध भी उपलब्ध नहीं हो पाया।

वाहन छोड़कर चले गए लोग

राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने के बाद से जगह-जगह सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। ऐसे में कई चालक वाहनों को छोड़ पैदल ही अपने घर की राह पर चले गए हैं।

वाहन चालक शिवम ने बताया कि वह मंगलवार रात से राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे हुए थे। लेकिन, राष्ट्रीय राजमार्ग जल्द खुलने की कोई उम्मीद नहीं लग रही है। ऐसे में वह अपने घर जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने के बाद वह वाहन को लेने के लिए आएंगे।

पैदल नापा 15 किलोमीटर का सफर

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य मलबा आने से कई लोग पैदल ही सफर तय कर रहे हैं। कई लोग अपने परिवार के साथ पैदल राष्ट्रीय राजामर्ग से गुजरते हुए दिखाई दिए। लोग बेसब्री से राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

भारी बारिश से 19 सड़क मार्ग अवरूद्ध

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद में हो रही बारिश के कारण जनपद में 19 सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें यातायात हेतु सुचारू करने की कार्यवाही गतिमान है। अवरुद्ध सड़क मार्ग में 06 सड़कें लोक निर्माण विभाग रुद्रप्रयाग, 03 सड़कें लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ, 6 सड़कें पीएमजीएसवाई रुद्रप्रयाग तथा पीएमजीएसवाई जखोली की 04 सड़कें अवरुद्ध है।जनपद में हो रही बारिश के कारण जनपद में 19 सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें यातायात हेतु सुचारू करने की कार्यवाही गतिमान है।

अवरुद्ध सड़क मार्ग में 06 सड़कें लोक निर्माण विभाग रुद्रप्रयाग, 03 सड़कें लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ, 06 सड़कें पीएमजीएसवाई रुद्रप्रयाग तथा पीएमजीएसवाई जखोली की 04 सड़कें अवरुद्ध है। जिन्हें यातायात हेतु खोलने की कार्यवाही गतिमान है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि जो सड़क मार्ग अवरुद्ध हैं नगरासू-डांडाखाल धनपुर मोटर मार्ग किमी 1 में मार्ग का 20 मीटर भाग पूर्णतः वॉशआउट हो गया है, जिस कारण यातायात पूर्णतः बंद है।

मार्ग के 20 अगस्त, 2023 तक खुलने की संभावना है। गहड़-दानकोट-नौना मोटर मार्ग किमी 01 में मलवा आने एवं दीवार क्षतिग्रस्त होने से मार्ग क्षतिग्रस्त होने से यातायात हेतु अवरुद्ध हो गया है, जिसके 15 अगस्त, 2023 तक खुलने की संभावना है। छेनागाड़-बक्सीर मोटर मार्ग किमी 03 में मलवा बोल्डर आने से मार्ग यातायात हेतु अवरुद्ध है, जिसके 15 अगस्त, 2023 तक खुलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सिरांई-चैंरा नंदवाणगांव भटवाडी मोटर मार्ग किमी 04 व 05 में मलवा बोल्डर आने से यातायात हेतु अवरुद्ध है जिसे खोलने का प्रयास किया जा रहा है। मयाली-गुप्तकाशी मोटर मार्ग अवरुद्ध है जिसे खोलने का प्रयास किया जा रहा है। गुप्तकाशी-जाखधार मोटर मार्ग यातायात हेतु अवरुद्ध है जिसे यातायात हेतु सुचारू करने की कार्यवाही गतिमान है। कुणजेठी से ब्यूंगी मोटर मार्ग किमी 02 में स्लिप आने से अवरुद्ध है जिसे यातायात हेतु खोलने की कार्यवाही गतिमान है।

बीएचईएल में हुआ गुणता चक्रइकाई सम्मेलन का आयोजन

हरिद्वार। बीएचईएल के व्यापारिक उत्कृष्टता विभाग में गुरुवार को ह्यगुणता चक्र इकाई सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक प्रवीण चन्द्र झा ने किया। प्रवीण चन्द्र झा ने बीएचईएल के उत्कृष्ट प्रदर्शन में गुणता चक्रों की महत्ता पर विशेष जोर दिया। कहा कि संस्थान के सभी क्रिाकलापों में गुणात्मक सुधार के लिए आवश्यक है कि हम सब इस दिशा में सामूहिक रूप से प्रयास करें । इस सम्मेलन में 66 गुणता चक्रों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित सुधार कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया । निर्णायकों द्वारा विभिन्न मापदंडो के आधार पर इन प्रस्तुतीकरणों का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीक्यू एवं बीई) राहुल बंसल, अपर महाप्रबंधक (बीईएक्स) पूनम सिंह आदि मौजूद थे।

मनी ट्रांसफर कंपनी के कर्मचारियों से दिनदहाड़े 14 लाख लूटे

हरिद्वार। भेल के सेक्टर दो में मनी ट्रांसफर कंपनी के कर्मचारियों से 14 लाख रुपये की रकम से भरा बैग लूटकर बाइक सवार तीन बदमाश फरार हो गए। दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात से हरिद्वार पुलिस में हड़कंप मच गया। जिले भर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया लेकिन आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़े। एसएसपी अजय सिंह ने सीआईयू और रानीपुर पुलिस को जल्द वारदात के खुलासे के निर्देश दिए हैं।

शिवालिकनगर में बृजभूषण गोयल का गोयल मनी ट्रांसफर कंपनी नाम से कार्यालय है। उनकी कंपनी एक निजी बैंक के आठ एटीएम में कैश की डिलीवरी का कार्य करती है। गुरुवार दोपहर के समय उनकी कंपनी के कर्मचारी राहुल त्यागी और गौरव मित्तल एटीएम में कैश की डिलीवरी देने के लिए करेंसी बदलवाने के लिए आर्यनगर क्षेत्र में बैंक शाखा में पहुंचे। चौदह लाख की रकम के पांच सौ रुपये के नोट की करेंसी को सौ के नोट में बदलवाने के बाद कर्मचारी रकम को काले रंग के बैग में रखकर बाइक से शिवालिक नगर के लिए रवाना हुए। कर्मचारी जैसे ही भेल सेक्टर दो में गुरुद्वारे के पास पहुंचे तभी पीछे से आए बाइक सवार तीन बदमाश में से एक ने कर्मचारी से रुपयों से भरा बैग झपट लिया। कर्मचारी कुछ समझ पाते तब तक आरोपी भगत सिंह चौक की तरफ भाग निकले।

इधर, कर्मचारी भगत सिंह चौक के पास पहुंचे, जहां उन्होंने एक यातायात पुलिसकर्मी को घटनाक्रम से अगवत कराया। लूट की वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में कोतवाली रानीपुर प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट, कोतवाली ज्वालापुर प्रभारी कुंदन सिंह राणा घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज निकाली, जिसमें बदमाश फरार होते हुए दिखाई दिए। मोटरसाइकिल सवार बदमाशों की धरपकड़ के लिए जिले भर में अलर्ट जारी किया गया, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आ सके।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सीआईयू एवं रानीपुर पुलिस को जल्द घटना के खुलासे के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं। एसएसपी ने कहा कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

जिंदा बुजुर्ग को मृत दर्शाकर भूमि हड़पी

हरिद्वार। बुजुर्ग महिला को मृत दर्शाकर फर्जी वसीयत बनाकर जमीन हड़प लेने के मामले में ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बुजुर्ग महिला की शिकायत पर ज्वालापुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसएसपी को दी गई शिकायत में उषा कौशिक (74 वर्ष) पत्नी आशुतोष कुमार कौशिक निवासी शिव चंद्र नगर रानीपुर मोड़ ने बताया कि उसकी ज्वालापुर के नया गांव में संपत्ति है। 10 अगस्त 1992 में रमेश चंद्र निवासी रावली महदूद सिडकुल, नाथीराम निवासी ब्रह्मपुरी रावली महदूद ने उसके हस्ताक्षर की कूटरचना कर फर्जी वसीयत तैयार करना दर्शाई थी। जिसके बाद एक अन्य महिला उषा पत्नी बाबूराम निवासी मोहल्ला शिवपुरी कनखल के हक में वसीयत कर दी। वर्ष 2013 में फर्जी वसीयत को नौटरी करा लिया गया। जिसके बाद 13 अगस्त 2005 को उषा को मृत दिखाते हुए तत्कालीन रजिस्ट्रार (जन्म व मृत्यु) ग्राम पंचायत जगजीतपुर विकास खंड बहादराबाद से फर्जी प्रमाण पत्र भी ले लिया। वर्ष 2014 में उसने यह बात सामने आने पर अपने जीवित होने के प्रमाण देते हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र को निरस्त कराने के लिए तत्कालीन डीएम को पत्र दिया। प्रशासनिक जांच के बाद अपर जिला रजिस्ट्रार (जन्म व मृत्यु) / मुख्य चिकित्साधिकारी के आदेश पर तत्कालीन खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजकर मृत्यु प्रमाण पत्र निरस्त करवाया गया।

आरोप है कि रूपेश कुमार ने निरस्त हुए मृत्यु प्रमाण को फिर से जारी करने के लिए पत्र देकर झूठे तथ्य पेश किए। जिसे सीएमओ एवं अपर जिला रजिस्ट्रार मृत्यु प्रमाण पत्र ने पूर्व में जारी फर्जी प्रमाण पत्र को यथावत कर दिया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि आरोपी रमेश चंद्र, नाथीराम, रुपेश व एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शोरूम का शटर उखाड़कर नकदी चोरी

रुड़की। मंगलौर निवासी इस्लाम का लंढौरा में रुड़की-लक्सर मार्ग पर इलेक्ट्रिकल सामान और फर्नीचर का शोरूम है। रात को शोरूम का शटर उखाड़ कर गल्ले से 40 हजार रुपये चोरी कर लिए गए।

देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहता है सैनिक

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत विवि की एनएसएस यूनिट-एक की ओर से पंच प्रण प्रतिज्ञा कार्य का आयोजन किया गया। जिसमें एनएसएस यूनिट के प्रभारी डॉ. जेआर मीना ने छात्रों को मेरी माटी मेरा देश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व सैनिक राजेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. जेआर मीना ने कहा कि सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वत्र न्योछावर करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। हम सब को भी देश की सुरक्षा व रक्षा के लिए अपने-अपने स्तर से कार्य कर देश निर्माण में अपना योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए। डॉ. जेआर मीना ने उपस्थित छात्रों को पंच प्रण प्रतिज्ञा दिलाई। साथ ही कार्यक्रम के बाद एनएसएस इकाई ने विश्वविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया।

हरिद्वार-दून ट्रैक पर आया मलबा

हरिद्वार। हरिद्वार-दून रेलवे ट्रैक गुरुवार को भीमगोड़ा काली मंदिर टनल के पास मनसा देवी पहाड़ से मलबा आने के कारण चार घंटे से ज्यादा बाधित रहा। इस दौरान देहरादून शताब्दी एक्सप्रेस, अहमदाबाद मेल और लिंक एक्सप्रेस ट्रेन को हरिद्वार स्टेशन पर ट्रैक सुचारू होने तक रोक दिया गया। साथ ही देहरादून-सहारनपुर पैसेंजर को मोतीचूर स्टेशन पर निरस्त कर दिया गया। सुबह 10:25 पर बाधित हुए ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन दोपहर 2:45 बजे शुरू हो सका।

भीमगोड़ा काली मंदिर टनल के पास सुबह के समय ट्रैक पर मलबा आने की सूचना रेलवे अधिकारियों को मिली। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। जिस समय ट्रैक पर मलबा गिरा, उसके कुछ मिनट बाद ही ट्रेन देहरादून सहारनपुर पैसेंजर ट्रैक से गुजरने वाली थी। मलबा गिरने के बाद ट्रेन को ट्रैक पर ही रोक दिया गया। ट्रैक साफ होने में समय लगने के कारण पैसेंजर ट्रेन को निरस्त कर दिया गया। साथ ही ऋषिकेश श्रीगंगानगर का संचालन दो घंटे देरी से हुआ। हेमकुंड एक्सप्रेस और देहरादून राप्ती गंगा एक्सप्रेस का संचालन भी विलंब से किया गया।

ट्रैक पर मलबा आने के बाद रेलवे कर्मचारियों को ट्रैक साफ करने में चार घंटे 20 मिनट का समय लग गया। हरिद्वार रेलवे स्टेशन के एसएम बीके मलिक ने बताया कि 2:45 मिनट पर ट्रैक ट्रेनों के संचालन के लिए दोबारा खोल दिया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर अतिरिक्त काउंटर खोले गए हैं। टिकट वापसी की सुविधा भी यात्रियों को दी गई है।

ड्रैनेज सिस्टम समेत सभी समस्याओं का करेंगे समाधान: जैन

रुड़की। सीडीओ प्रतीक जैन ने नगर निगम में प्रशासक के रूप में विधिवत कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने के साथ ही निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि ड्रैनेज सिस्टम समेत सभी समस्याओं का वह समाधान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। सीडीओ प्रतीक जैन नगर निगम में पूर्व मेयर गौरव गोयल के कमरे में पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासक के रूप में कार्यभार संभाला। इसके बाद नगर आयुक्त विजय नाथ शुक्ला, सहायक नगर आयुक्त एसपी गुप्ता, संजय कुमार आदि अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद प्रतीक जैन ने मीडिया से बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि रुड़की शहर में सबसे बड़ी समस्या जलभराव है। इस समस्या को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

यौन अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

रुड़की। लक्सर जीआरपी ने विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर कस्बे के राजकीय कन्या जूनियर हाइस्कूल सीमली में आयोजित जागरूकता शिविर में छात्राओं को साइबर क्राइम व यौन अपराध के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, बचाव के तरीके भी समझाए गए।

लक्सर जीआरपी एसओ ममता गोला ने कहा कि यौन अपराध रोकने को लेकर सरकार गंभीर है इसलिए ऐसे अपराध सिद्ध होने पर दोषी के खिलाफ दंड और सजा को पहले से सख्त बनाया जा रहा है। कहा कि यौन अपराध से बचने के लिए हमें जागरूक बनना होगा। उन्होंने घर से बाहर अनजान लोगों से बात न करने, अजनबियों द्वारा दिया गया कोई खाद्य पदार्थ न खाने की अपील की।

दुर्गाधार में हुआ पुलिस का जनसंवाद कार्यक्रम

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर क्षेत्र के नवसृजित रिपोर्टिंग पुलिस चौकी दुर्गाधार में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसपी ने समस्याओं को सुनकर उपस्थित जनसमुदाय के सामने अधीनस्थ चौकी प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है।चौकी दुर्गाधार में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे का स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर महिला मंगल दल एवं प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर वक्ताओं के स्तर से पुलिस स्तर से किए जा रहे आवश्यक सहयोग, किसी भी सूचना पर तुरन्त प्रतिक्रिया देते हुए तत्परता से पुलिस के पहुंचने, निरन्तर जन-जागरुकता करने व इस क्षेत्र के कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगने सम्बन्धी कार्यों के साथ ही इस क्षेत्र के सनबैण्ड एवं मौणधार में शराबियों के आतंक से निजात दिलाने के लिए गश्त किए जाने, दूरस्थ ग्रामों में भी पुलिस की पहुंच होने, टैक्सी स्टैण्ड पर वाहन को लगवाये जाने समेत कई सुझाव प्राप्त हुए। एसपी ने कहा कि प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को नोट कर लिया गया है, पुलिस विभाग से सम्बन्धित समस्याओं पर अधीनस्थों के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

डीएम ने किया श्यामपुर कांगड़ी गांव के पास तटबंध बहने के बाद हो रहे कटाव का निरीक्षण

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने श्यामपुर कांगड़ी गांव के पास तटबंध बहने के बाद हो रहे कटाव को लेकर ट्रैक्टर पर बैठकर निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने तटबंध की मरम्मत के लिए 20 लाख रुपये की धनराशि आपदा प्रबन्धन अधिनियम का तहत स्वीकृत की। साथ ही उत्तराखंड सिंचाई विभाग हरिद्वार की अधिशासी अभियंता मंजू को क्षतिग्रस्त तटबंध की मरम्मत और सुरक्षात्मक कार्य को तत्काल करने के निर्देश दिए। डीएम ने लोगों से गंगा तट पर न जाने की अपील करते हुए क्षेत्र में मुनादी कराई। साथ ही पुलिस, एसडीआरएफ, फ्लड कंपनी, आपदा प्रबंधन, राहत बचाब दल आदि संबंधित विभाग को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। डीएम ने खुद मौके पर पहुंच कर गांव का निरीक्षण। इस दौरान डीएम ट्रैक्टर पर बैठकर उस स्थान पर पहुंचे, जहां पर गंगा नदी से कटाव हो रहा था। मौके पर मौजूद अधिकारियों को डीएम ने जरूरी दिशा निर्देश दिए।

संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु चलाया जाएगा ओलंपियार्ड

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने देश के समस्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों में संस्कृत के प्रति रुचि पैदा करने के लिए संस्कृत ओलंपियाड नाम से राष्ट्र स्तरीय अभियान शुरू किया है। जिसमें अलग-अलग चार स्तरों पर स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार दिये जाएंगे। 10 जुलाई से शुरू पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 अगस्त है। 3 सितंबर को ऑनलाइन परीक्षा होगी व 14 सितंबर को पुरस्कारों की घोषणा होगी। जबकि 16 अक्टूबर को पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने ओलंपियाड का पोस्टर रिलीज करते कहा कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत के प्रचार-प्रसार व संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। संस्कृत को जन-जन की भाषा बनाने के अभियान में इस बार देश के सभी शिक्षण संस्थानों में संस्कृत के प्रति बच्चों की रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से संस्कृत ओलंपियाड अभियान चलाया है। इसके तहत विभिन्न स्तर पर प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें बच्चों को भाग लेना होगा। वार्षिक आयोजन के रूप में उपलब्ध कराये जा रहे इस मंच में बच्चों को 60 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। सभी स्तरों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय तीन-तीन नगद पुरस्कार दिये जायेंगे। पहला पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय 7 हजार व तृतीय पुरस्कार 5 हजार है। इस प्रयास से हम देश के बच्चे-बच्चे तक संस्कृत पहुंचाने में सफलता प्राप्त कर पाएंगे। राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कुलदीप शर्मा और डॉ. अमृता कौर ने बताया कि, राज्य स्तर तथा शिक्षण संस्था के स्तर पर भी प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार दिये जाएंगे। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने बताया कि सौ से अधिक छात्रों के पंजीकरण वाली शिक्षण संस्था अथवा संबद्ध शिक्षक को सारस्वत उपहार दिया जाएगा। अभियान के राज्य प्रभारी डॉ. दिनेशचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि अभी तक उत्तराखण्ड से लगभग एक हजार बच्चों ने पंजीकरण करा दिया है। 27 अगस्त तक इस संख्या के दस हजार तक पहुंचने की संभावना है।

15 अगस्त को जनता एकजुट होकर खुलवाएगी गेट

रुद्रप्रयाग। अप्पर बाजार स्थित एक धर्मशाला के रास्ते में गेट लगाने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। यहां गेट लगने से सिलेंडर वाहन के साथ ही एम्बुलेंस और सरकारी सस्ता गल्ला राशन वाहन यहां नहीं पहुंच पा रहा है। स्थानीय लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए अब 15 अगस्त को अपर बाजर में इकट्ठा होकर संबंधित धर्मशाला से गेट खुलवाने में सहयोग देंगे। अपर बाजार के सभासद अंकुर खन्ना ने बताया कि बीते 40 वर्षों से जो रास्ता आम जनता उपयोग कर रही है उसे एक धर्मशाला प्रबंधन द्वारा गेट लगा कर बंद कर दिया गया है। बड़ी बड़ी दीवारें लगाई गई हैं, जो कभी भी किसी दुर्घटना को न्योता दे सकती है।

ग्राम पंचायत होरावाला में हुई भाजपा की टिफिन बैठक

विकासनगर। सहसपुर की ग्राम पंचायत होरावाला में गुरुवार को भाजपा ने टिफिन बैठक का आयोजन किया। मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विधायक सहदेव पुंडीर ने कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय समस्याओं पर चर्चा कर उनके निदान का आश्वासन दिया। इसके साथ ही लोक सभा चुनाव की तैयारियों पर भी मंथन किया गया। बैठक के दौरान विधायक और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक टिफिन भोज किया। मंडल अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने विधायक को स्थानीय समस्याओं से रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से कुछ गांवों में पेयजल किल्लत हो जाती है। जबकि कई संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। विधायक ने दोनों ही समस्याओं का जल्द निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। पार्टी संगठन के कार्यों पर चर्चा करते हुए विधायक ने कहा कि भाजपा पार्टी नहीं बल्कि एक परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में पूरे देश भर में टिफिन बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा टिफिन बैठक हमारे भाजपा के पारिवारिक माहौल को रेखांकित करता हैं और पार्टी को मजबूती प्रदान करता है। विधायक ने मौजूद मंडल के सभी सदस्यों से आगामी लोकसभा चुनाव हेतु एकजुट होकर कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने कार्यकर्ताओं का दायित्व है। इस दौरान मंडल महामंत्री महामंत्री सुमित सैनी, सिद्धार्थ चौधरी, मीडिया प्रभारी सिकंदर, महिला मोर्चा अध्यक्ष कमला देवी, ग्राम प्रधान नीलम देवी,प्रो. तुमन सिंह, राजेश मल्ल, प्रदीप गुप्ता, संदीप, हिमांशु बडोला आदि मौजूद रहे।

11सूत्रीय मांगों को लेकर ग्रामीण डाक सेवकों ने किया प्रदर्शन

नई टिहरी। अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के कर्मचारियों ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर नई टिहरी डाक घर में प्रदर्शन कर धरना दिया। उन्होंने सरकार से डाक सेवकों की मांगों पर उचित कार्यवाही की मांग की है। गुरुवार को अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ टिहरी व उत्तरकाशी के कर्मचारियों ने केंद्रीय कार्यकारणी के आह्वान पर संघ के मंडलीय अध्यक्ष राम किशोर सिंह के नेतृत्व में नई टिहरी स्थित मुख्य डाक घर परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।

संघ के मंडलीय अध्यक्ष ने सरकार से ग्रामीण डाक सेवकों को नियमित कर्मचारी का दर्जा देने के साथ पेंशन की सुविधा, कमलेश चंद्र कमेटी की सिफारिशों को लागू करने, कर्मचारियों के सामूहिक बीमा की धनराशि पांच लाख रुपये तक बढ़ाये जाने, ग्रामीण डाक सेवकों की ग्रेज्यूटी को डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किये जाने की मांग की है।

इसके साथ ही ग्रामीण डाक सेवक एंव उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधा देने, समस्त डाकघरों में लैपटॉप, प्रिंटर, ब्राडबैंड आदि की सुविधा देने, ड्यूटी के दौरान मौत होने पर डाक सेवकों के आश्रित को अनुकंपा के आधार नियुक्ति देने सहित 11 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग की है।

प्रवासियों के मामले में एसडीएम की रिपोर्ट के बाद ही जारी हो मृत्यु प्रमाण पत्र

हरिद्वार। नागरिक पंजीकरण (सीडीआर) निदेशक आईएएस इवा आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि प्रवासियों के मामले में बिना एसडीएम की रिपोर्ट के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी न किए जाएं।

उन्होंने कहा कि जब तक ठोस आधार न हो किसी भी तरह का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाए। यह निर्देश उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए। इवा गुरुवार को हरिद्वार नगर निगम पहुंचीं।

अवैध रूप से संचालित मांस व शराब के कारोबार पर रोक लगाने की मांग को दिया धरना

हरिद्वार। अवैध रूप से संचालित मांस व शराब के कारोबार पर रोक लगाने की मांग को लेकर देवभूमि भैरव सेना संगठन के पदाधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना दिया।

धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चरणजीत पाहवा के कहा कि बिना लाइसेंस के अवैध रूप से चल रही मांस की दुकानों और शराब के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगतार धरना प्रदर्शन किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मांस के अवैध कारोबार के चलते गंगा भी प्रदूषित हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन की महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष शिल्पी ग्रोवर भूख हड़ताल करेंगी।

श्रीअखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि तीर्थ नगरी की मर्यादा बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस मौके पर शिल्पी ग्रोवर, बख्शी चौहान, सौरभ चौहान, विक्की प्रजापति, विनेश प्रजापति, अनिल सैनी, बंटी पाल, विशु चौहान, कुंवर पाल, सूरज, सन्नी, सचिंत ग्रोवर, विजेंद्र, मधुसूदन चौहान, मोहन शर्मा, मुकेश कश्यप, योगेंद्र, सुनील कुमार चौहान, मुकेश चौहान, लव चौहान, कुश चौहान, अंशुल कौशिक आदि शामिल रहे।

कोटद्वार से शुरू की जाएं सिटी बस सेवा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड विकास समिति ने कोटद्वार में सिटी बस सेवा आरंभ करने व मेडिकल कालेज के शीघ्र निर्माण की मांग की है। इस संबध में समिति ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि कोटद्वार विधानसभा विकास कार्यों में पीछे छूटती जा रही है। यहां के लिए मंजूर संस्थानों में से किसी भी संस्थान की स्थापना अभी तक नहीं हो पाई है। कहा कि क्षेत्र में मेडिकल कालेज निर्माण के लिए सभी आवश्यक मानक वर्ष 2020 में पूरे किए जा चुके हैं, लेकिन निर्माण कार्य धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहा है। दूसरी ओर मोटर नगर में नवीन बस अड्डा निर्माण कार्य पिछले दस वर्षों से लंबित पड़ा हुआ है। नवीन बस अड्डा निर्माण से शहर को जाम से निजात मिल सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समिति की ओर से कोटद्वार में सिटी बस सेवा आरंभ करने के लिए प्रदेश परिवहन सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया गया था, लेकिन इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से व्यापक जनहित को देखते हुए उक्त समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की अपील की गई है।

आपदा की भेंट चढ़े विद्युत पोल और पेयजल लाइन

कोटद्वार : कोटद्वार क्षेत्र में आई आपदा से नगर क्षेत्र में विद्युत व पेयजल लाइन भी प्रभावित हो गई है। जगह-जगह पेयजल लाइनें व विद्युत पोल नदी व गदेरों की भेंट चढ़ चुके हैं। सरकारी सिस्टम लगातार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के प्रयास में जुटा हुआ है।

मंगलवार को उफान पर आए गिवईस्रोत गदेरे में दो विद्युत पोल बह गए। 33 केवी के दो विद्युत पोल मालन व सुखरो नदी की भेंट चढ़ गए। पनियाली गदेरे में 11 केवी के दो विद्युत पोल बह गए। अव्यवस्थाओं के कारण क्षेत्र में पिछले दो दिन से लगातार विद्युत आपूर्ति व पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। नदी नालों के किनारे क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों से भी घरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई। प्रभावित इलाकों में जल संस्थान पेयजल टैंक के माध्यम से पानी उपलब्ध करवा रहा है। वहीं, बिजली नहीं होने से कई घरों में मोटर नहीं चल सकी। जिससे इन क्षेत्रों में भी पेयजल संकट खड़ा हो गया है। आपदा प्रभावित क्षेत्र गिवईस्रोत, गाड़ीघाट, रतनुपर, लकड़ीपड़ाव, काशीरामपुर तल्ला, कौड़िया के लोगों के समक्ष कई संकट खड़े हो गए हैं। परिवार के सदस्य घरों के भीतर मलबे को साफ करें या फिर पानी की तलाश में इधर-उधर भटके।

लकड़ीपड़ाव में पेयजल टैंक से पानी भरते लोग

कांजी हाउस निर्माण की कवायद को रोकने की मांग

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लाक के सिलेथ गांव की सीमा के क्यार्केश्वर महादेव मंदिर के समीप नगर पालिका प्रशासन द्वारा कांजी हाउस को लेकर भूमि चयनित करने के विरोध में ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन देकर यहां पर कांजी हाउस ना बनाए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि बिना ग्रामीण लोगों, ग्राम पंचायत की सहमति के सिलेथ गांव की सीमा के पालिका प्रशासन पौड़ी द्वारा कांजी हाउस बनाए जाने का पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने आवंटित भूमि को वापस लेते हुए कांजी हाउस निर्माण की कवायद को रोकने की मांग उठाई है। गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं स्थानीय ग्रामीण दीपक असवाल सहित सिलेथ के ग्रामीणों ने कपोलस्यूं पट्टी के क्यार्केश्वर महादेव मंदिर के समीप नगर पालिका पौड़ी द्वारा कांजी हाउस बनाने जाने को लेकर डीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा नगर पालिका को यह भूमि कांजी हाउस निर्माण के लिए दी गई है। कहा कि इस स्थान पर पहले से ही एक गोधाम चल रहा है। ऐसे में वहां पर पौड़ी नगर पालिका द्वारा कांजी हाउस खोला जाना सही नहीं होगा। कहा कि यहां गांव के बाजारों में पहले से ही आवारा पशुओं की भरमार है प्रशासन इन आवारा पशुओं की कोई व्यवस्था नहीं कर पाया है। गोधाम के लिए चयनित भूमि खेल मैदान व चारागाह है। इस मौके पर विपिन, मनबर बिष्ट, विकास, बलवंत सिंह, शिव सिंह, रोशन, धीरज, भोपाल, रविंद्र, नीरज, ठाकुर, दिनेश आदि शामिल थे।

पैरा मेडिकल कर्मियों के बिना डॉक्टर का जीवन अधूरा : थपलियाल

एसजीआआर पैरा मेडिकल कॉलेज पदमपुर में हुआ दीक्षारम्भ कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पदमपुर स्थित श्री गुरु रामराय पैरा मेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का दीक्षारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पैरामेडिकल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु थपलियाल ने कहा कि डाक्टर अपने जीवन की पैरा मेडिकल कर्मियों के बिना कल्पना भी नहीं कर सकते है। श्रद्धेय महाराज जी की यह एक अच्छी पहल है कि उन्होंने कोटद्वार शहर को एक बेहतरीन पैरा मेडिकल कॉलेज की सौगात दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु थपलियाल, धीरेन्द्र रतूड़ी ने माँ सरस्वती के चित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना के अलावा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस-के अलावा योगाभ्यास की प्रस्तुति दी गई। जिसकी उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम की शुरूवात श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय एवं श्री महंत इन्द्रेश अस्पताल, देहरादून द्वारा किये जा रहे कार्यों की विडियो क्लिप दिखाकर की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रीमती ऋतु उनियाल ने छात्राओं और अभिभावकों को कॉलेज के विजन और मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धीरेन्द्र रतूड़ी ने कहा कि छात्र कल का भविष्य है और इस पौध को हमारे द्वारा सींचा जाना है, जो भविष्य में एक सफल वृक्ष की तरह स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि पैरा मेडिकल का क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, जिसमें नई-नई तकनीकों का विकास हो रहा है। कॉलेज की फैक्ल्टी डॉ. शिवी शर्मा ने मरीजो को फिजियोथेरिपी से मिल रहे लाभ एवं वर्तमान की जीवन शैली में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए छात्र-छात्राएं।

इस दौरान माइक्रो बॉयोलाजी की फैक्ल्टी ओशिन जोशी ने मेडिकल के क्षेत्र में लगातार माइक्रो बॉयोलाजी के बारे में जानकारी दी। बताया कि रिसर्च से लेकर सेंट्रल लैब में बड़ी संख्या में इसकी मांग है। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीश उनियाल ने कहा कि एसजीआरआर पैरामेडिकल कॉलेज, उच्च शिक्षा का एक प्रसिद्ध संस्थान है जो बौद्धिक जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और व्यक्तिगत विकास को बढ़-ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पैरामेडिकल छात्रों को समाज की भलाई के उद्देश्य से कार्य करना होता है। इस मौकेपर प्रणव राज बमराड़ा, हिमांशु द्विवेदी, रतन, दिगम्बर सिंह आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को बताया मतदान का महत्व

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित की गई कार्यशाला

महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मतदान के महत्व की जानकारी देते शिक्षक व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हमें अवश्य मतदान करना चाहिए।

महाविद्यालय के रूसा हाल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्या जानकी पंवार ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रित देश है।

लोकतंत्र में मतदान एक बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। मुख्य वक्ता सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उमेश चंद्र पांथरी ने कहा कि जिन विद्यार्थियों की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक है, उन्हें अपना नाम मतदान सूची में अवश्य दर्ज करवाना चाहिए। इस प्रक्रिया से ही युवा चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं। निर्वाचन कार्यालय में कार्मिक सौरभ रावत ने विद्यार्थियों को फार्म 6 की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर नोडल अधिकारी डा. अजीत सिंह, कमल किशोर शर्मा, भुवन चंद, करन पाल, प्रवेश रावत, डा. पूनम गैरोला, डा. विजय लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम शुरू

पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर पौड़ी में मल्टी पर्पज हाल में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

बुधवार को कार्यक्रम में वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. नीलम नेगी, डा. गौतम कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा गार्ड एवं भूतपूर्व सैनिक युद्धवीर सिंह और कमल सिंह को पुष्पगुक्ष देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में परिसर के प्राध्यापक प्रो. अनूप पांडेय ने मेरी माटी, मेरा देश विषय की जानकारी दी। प्रो. एमसी पुरोहित ने मेरी माटी, मेरा देश से जोड़कर देश के शहीदों को याद करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को पूर्ण करने की बात कही। डा. मनीष उनियाल ने एनएसएस के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। प्रो यूसी गैरोला द्वारा पंच प्रण की शपथ अपने परिसर की माटी लेकर दिलवाई गई।

राष्ट्रीय राजमार्ग के गिवईस्रोत पुल पर भी मंडराया खतरा, ढहने लगी एप्रोच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गाड़ीघाट से कुंभीचौड़ को जोड़ने वाले पुल की एप्रोच ढहने के बाद अब गिवईस्रोत पुल पर भी खतरा मंडराने लगा है। एक ओर से पुल की एप्रोच ढहने की स्थिति में आ गई है। हालांकि लोक निर्माण विभाग पुल की एप्रोच को बचाने की जद्दोजेहद में जुट गया है। गिवईस्रोत के पुराने पुल के स्थान पर नया पुल बनाया गया था। इस पुल से ही सैकड़ों वाहन गढ़वाल के लिए गुजरते हैं। लेकिन, मंगलवार रात गिवईस्रोत गेदेरा उफान पर आने से पुल की एप्रोच ढहने की स्थिति में पहुंच गई है। नीचे से खोखली हो रही एप्रोच के कारण पुल पर एक बड़ा गड्ढा बन गया है। लोक निर्माण विभाग ने गड्ढे के आसपास पत्थर रखकर

कोटद्वार में गिवईस्रोत पुल की एकप्रोच ढहने से बना गड्ढा

एप्रोच बचाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने शुरू की मशक्कत

एप्रोच की नींव को भरने का कार्य शुरू कर दिया है। मालूम हो कि मंगलवार रात गाड़ीघाट से कुंभीचौड़ को जोडने वाले पुल की एप्रोच भी पूरी तरह ढह गई थी। जिससे पुल पर यातायात पूरी तरह बंद हो गया है। ऐसे में यदि गिवईस्रोत पुल की एप्रोच को बचाने के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए तो यह भी ताश के पत्तों के समान ढह सकता है।

प्रवेश के लिए 627 छात्र-छात्राओं की पहली वरीयता सूची जारी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में सत्र 2023-24 के लिए बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पहली वरीयता सूची जारी हो गई है। वरीयता सूची में 627 छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है। गढ़वाल विवि के बीए प्रथम सेमेस्टर प्रवेश समिति के संयोजक प्रो. प्रशांत कंडारी ने बताया कि वर्ष 2023–24 में बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 972 छात्र–छात्राओं में से 627 छात्र–छात्राओं को पहली वरीयता सूची में स्थान दिया गया है।

प्रो. कंडारी ने बताया कि बिड़ला परिसर में प्रवेश के लिए छात्र-छात्राओं की सीयूईटी परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची घोषित की गई है। कहा कि प्रथम वरीयता सूची में चयनित छात्र-छात्राएं 10 अगस्त से 16 अगस्त तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपनी ऑनलाइन यूजर आईडी के जरिए प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक फीस जमा कर अपना अस्थायी प्रवेश सुनिश्चित करेंगे। कहा फीस जमा करने के बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश फार्म डाउनलोड कर एवं उसको पूर्ण रूप से भर कर विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर स्थित संकायाध्यक्ष कार्यालय प्रवेश समिति के समक्ष हाईस्कूल, इंटरमीडिएट एवं सीयूईटी की अंक तालिका एवं आरक्षण प्रमाण पत्रों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्र में) एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आदि) को भौतिक रूप से सत्यापित करना सुनिश्चित करना होगा। प्रो. कंडारी ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं अपने साथ अपने प्रवेश फार्म के साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, प्रवजन प्रमाण पत्र की मूल प्रतियां को सलंग्न करना जरूरी होगा। कहा 17 से 21 अगस्त तक एसीएल हाल में काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। प्रमाण पत्रों के भौतिक सत्यापन से पहले सभी छात्र-छात्राओं का प्रवेश नितांत अस्थायी होगा। (एजेंसी)

पाबौ की बेटी ने किया नेट क्वालीफाई

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पाबौ ब्लाक के कालौं गांव निवासी चांदनी नेगी ने नेट क्वालीफाई कर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। वहीं चांदनी अपनी इस उपलब्धि का श्रेष्य माता-पिता और गुरुजनों को देती हैं। बताया कि बचपन से ही शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य बनाने का सपना था।

यह परीक्षा बीती 29 अप्रैल को आयोजित हुई। चांदनी इन दिनों गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर में हॉर्टिकल्चर से पीएचडी भी कर ही हैं। वह स्कूली शिक्षा से ही एक होनहार छात्रा रही हैं।

नई दिल्ली पूसा स्थित कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के तत्वावधान में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की ओर से परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसे चांदनी ने क्वालीफाई कर लिया है। चांदनी के पिता बलवंत सिंह नेगी सेना से सेवानिवृत्त हैं। बताया कि उनकी पांच बालिकाओं में चांदनी सबसे छोटी है। चांदनी की 10वीं और 12वीं स्तर की पढ़ाई पौड़ी के केंद्रीय विद्यालय से हुई है। बताया कि वह शुरू से ही होनहार और मेधावी छात्रा रही है।

12 अगस्त को होगें व्यापार मंडल के चुनाव

श्रीनगर गढ़वाल : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल जिला श्रीनगर की नगर इकाई कीर्तिनगर व्यापार मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव को लेकर बैठक आहुत की गई। जिसमें आगामी 12 अगस्त को चुनाव संपन्न कराए जाने का निर्णय लिया गया। चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न करवाने को लेकर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों ने दिशा निर्देश जारी किए है।

प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने बताया कि कीर्तिनगर व्यापार मंडल का त्रिवार्षिक चुनाव 12 अगस्त को संपन्न होगा।

चुनाव के लिए माधो सिंह रावत को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। जबकि चुनाव पर्यवेक्षक जयप्रकाश जोशी, सह-पर्यवेक्षक चंद्रभानु तिवाड़ी के देखरेख में चुनाव संपन्न होंगे। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए ओमप्रकाश बधानी, प्रदीप थपलियाल, पंकज पंवार, महासचिव पद के लिए सुभाष चौहान और पंकज बर्त्वाल, कोषाध्यक्ष के लिए प्रियंका भट्ट और राहुल भारती ने दावेदारी पेश की है। कहा शनिवार सुबह 10 से अपरान्ह 2 बजे तक मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई जायेगी। मतगणना 3 बजे से शुरू होगी। जिसके तुरंत बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी। कहा चुनाव में मतदान के लिए 140 व्यापारी पंजीकृत हैं। उन्होंने सभी व्यापारियों से मत का प्रयोग करने की अपील की है। इस मौके पर जिला महामंत्री दिनेश पंवार आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

स्वयं सेवियों सहित छात्रों को दिलाई पांच प्रण की शपथ

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हैप्रक के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विजयकांत पुरोहित ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवी समाज कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से स्वयं सेवी राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें।

बिड़ला परिसर एसीएल सभागार में आयोजित मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम में एनएसएस स्वयं सेवियों एवं अन्य छात्रों को पांच प्रण की शपथ भी दिलाई गई। मौके पर प्रो. ओके बेलवाल छात्रों को मेरी माटी, मेरा अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कहा हर ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवरों के निकट स्मारक पट्टिकाएं स्थापित किए जाने के साथ ही अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर नेगी, प्रो. आरएस नेगी, डा.राकेश नेगी, डॉ. लक्ष्मण कंडारी, डॉ. सविता भंडारी, डॉ. नशीरुदीन शाह, डॉ. रजनी आदि ने विचार व्यक्त किए। मौके पर डा. विजयकांत पुरोहित द्वारा भेंट किए गए पौधे एनएसएस वाटिका में लगाए गए। (एजेंसी)

समिति ने एसडीएम का जताया आभार

श्रीनगर गढ़वाल : गो सेवा संवर्धन समिति श्रीनगर के सदस्यों ने एसडीएम अजयवीर सिंह का श्रीनगर से हरिद्वार स्थानांतरण होने पर उनके द्वारा किए गए गो सेवा कार्य और गोवंश के लिए विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। समिति के मीडिया प्रभारी राजेंद्र प्रसाद बड़थ्वाल ने कहा है कि गोवंश कार्य हेतु जब भी हमें किसी कार्य की जरूरत पड़ी होगी तो एसडीएम ने समिति की हर संभव मदद की है। कहा उनके द्वारा समाज के प्रति और बेजुबानों के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य किया गया है। समिति की ओर से इस मौके पर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर भावपूर्ण विदाई भी दी गई। इस मौके पर अनुज जोशी, आनंद सिंह भंडारी, राजेंद्र प्रसाद बर्थवाल, दिनेश घिल्डियाल, प्रकाश रावत, बंदना गुसाई, अर्जिता पंत, आंचल रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

नवोदय विद्यालय में 17 अगस्त तक कराएं पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा को लेकर पंजीकरण की तिथि 17 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। पहले पंजीकरण को लेकर 10 अगस्त की तारीख तय की गई थी। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेंद्र पाल सिंह ने जानकारी दी कि कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली इस प्रवेश परीक्षा में पंजीकरण की अंतिम तिथि को 10 अगस्त के बजाए अब 17 अगस्त कर दिया गया है।

शारीरिक दक्षता परीक्षा आज से

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर श्रीनगर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित एमपीएड कोर्स में प्रवेश के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा आज शुक्रवार से शुरू होगी। गढ़वाल विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डा. हीरा लाल यादव ने बताया कि परीक्षा विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित खेल स्टेडियम में 11 से 13 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा में पांच स्पर्धाएं सम्मिलित हैं। प्रत्येक अभ्यर्थी को सभी स्पर्धाओं में भाग लेना आवश्यक होगा। डा. यादव ने कहा कि शारीरिक परीक्षा के लिए 109 अभ्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा सम्बन्धी सभी तैयारियों कर ली गई है। (एजेंसी)

बिना अनुमति खोदी जा रही सड़क का कार्य पालिकाध्यक्ष ने मौके पर पहुंच कर रुकवाया

अल्मोड़ा। जल संस्थान एवं जल निगम द्वारा बिना नगरपालिका की अनुमति के खोदी जा रही नगरपालिका की सड़कों पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी सख्त हो गये हैं।

गुरुवार को एडम्स स्कूल से लगते मार्ग पर जल संस्थान द्वारा बिना नगरपालिका की अनुमति के खुदाई का काम किया जा रहा था। जिसकी सूचना पर पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी स्वयं मौके पर पहुंचे और जल संस्थान द्वारा मनमाने तरीके से फायर की लाईन डालने के लिए खोदी जा रही सड़क का खुदान कार्य रूकवाया तथा नगरपालिका द्वारा सम्बन्धित के हथियार जब्त किये गये। पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि जल संस्थान एवं जल निगम द्वारा पूर्व में मनमाने ढंग से सड़कों को खोदकर बर्बाद करने का कार्य किया जा रहा है जिसे अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि पूर्व में उनके द्वारा जिलाधिकारी, आयुक्त एवं सचिव पेयजल को पत्र लिखकर भी इस आशय से सूचित किया गया था कि यदि भविष्य में जल संस्थान/जल निगम के द्वारा बिना पालिका की अनुमति के सड़कों का खुदान कार्य किया गया तो पालिका इस पर एफआईआर दर्ज करेगी तथा कड़ी कार्यवाही करने को बाध्य होगी।

उन्होंने बताया कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रकाश जोशी ने कहा कि चाहे सरकारी विभाग हो या कोई व्यक्ति विशेष नियम सबके लिए बराबर हैं। यदि पालिका की सम्पत्ति को किसी के द्वारा भी कोई नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई तो सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

मंडी समिति और उद्यान विभाग की व्यापारियों संग हुई बैठक

हल्द्वानी। मंडी परिसर में गुरुवार को मंडी समिति और उद्यान विभाग की व्यापारियों के साथ बैठक हुई। जिसमें चेतावनी दी गई सेब की ग्रेडिंग होने के बाद लेने से इनकार करने वाले व्यापारी के खिलाफ मंडी प्रशासन दंडात्मक कार्रवाई करेगा। बैठक में अफसरों बताया कि हिमाचल का सेब बाजार में आने से जिले के किसानों के उत्पाद की मांग घट रही है। बेहतर पैकेजिंग और ग्रेडिंग नहीं होने से यहां का सेब पिछड़ रहा है। इसके समाधान के लिए उद्यान विभाग किसानों को पचास प्रतिशत सब्सिडी पर बारदाना दे रहा है। वहीं विभाग ने दौ सौ कुंतल सी ग्रेड के सेब की खरीद भी की है। अभी भी किसानों के पास ए और बी ग्रेड का लगभग 750 कुंतल सेब बिक्री के लिए बचा है। इसे जल्द ही मंडी तक पहुंचा दिया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में फैक्ट्री श्रमिक की मौत

रुद्रपुर। संदिग्ध हालात में फैक्ट्री श्रमिक की मौत हो गई। सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों ने युवक की मृत्यु की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। प्रथम दृष्टया युवक की हॉर्ट अटैक से मृत्यु होने की आशंका जताई जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। शक्तिफार्म के गुरुग्राम निवासी 25 वर्षीय केना अलमान पुत्र विकास अलमान सिडकुल की फैक्ट्री में नौकरी करते थे। बुधवार की शाम केना अलमान ड्यूटी कर घर पहुंचे। इसके बाद खाना खाकर वह सो गए। गुरुवार की सुबह परिजनों ने केना को जगाने के लिए आवाज दी, लेकिन केना नहीं उठे। परिजन केना को निजी अस्पताल ले गए। इसके बाद परिजनों ने केना को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सक अभिलाषा पांडे ने केना की मौत होने की पुष्टि की। इसके बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अस्पताल प्रशासन ने मृत्यु की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद उपनिरीक्षक संजय सिंह बोरा ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया।

उपनिरीक्षक संजय बोरा ने बताया कि प्राथमिक जांच में हृदय गति रुकने से मृत्यु होने की संभावना है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा। परिजनों ने बताया कि केना के विवाह की तैयारियां चल रही थी।

10वें दिन भी धरने में डटी रही आशाएं

पिथौरागढ़। नगर में विभिन्न मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रही आशाएं 10वें दिन भी धरने में डटे रही। गुरुवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कस यूनियन की ब्लॉक अध्यक्ष उमा महरा के नेतृत्व में कार्यकत्रियां एकत्र हुई। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और धरने में बैठ गए। महरा ने सरकारी तंत्र पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती वह अपना आंदोलन जारी रखेंगी। यहां सुनीता सैलोनी, कमला भंडारी, मुन्नी देवी, कमला बिष्ट, दीपा जोशी, नीमा देवी, हेमा जोशी, दीपा उप्रेती, बीना महरा, रेखा देवी, गंगा देवी, गीता खाती, रेखा सौन, माधवी देवी, माधवी रावल, हरिप्रिया देवी, सुमन धानिक, सविता देवी, ललिता देवी, शोभा देवी मौजूद रहे।

नवनियुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का हुआ प्रशिक्षण

रुद्रपुर। प्रसार शिक्षा निदेशालय ने उत्तराखण्ड कैडर के नवनियुक्त तीन आईएएस अधिकारियों का तीन-दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित कराया। इसमें अधिकारियों ने विवि में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जाना। गुरुवार को कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि समाज के क्रिया-कलापों में बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। विशेष रूप से छोटे-छोटे से नीतिगत निर्णय से समाज के अंतिम स्तर के लोग भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक और सामाजिक प्रतिस्थितियों के अनुरूप आप लोग अपना योगदान देंगे और विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्र के लोगों की प्रगति में सहयोग करेंगे। यहां निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. जेपी जायसवाल और सह-निदेशक डॉ. मोहन सिंह मौजूद रहे।

15 अगस्त तक सभी पंचायतों में आयोजित होंगे कार्यक्रमः बीडीओ

अल्मोड़ा। जनपद के विकासखंड लमगड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत ठाट में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनके जरिये वीर शहीदों के सम्मान में पौधारोपण के साथ ही शहीदों के परिजनों का सम्मानित किया गया। वहीं पंच प्रण के संकल्प को साकार करने के लिए शपथ दिलाई गई। गुरुवार को अल्मोड़ा जनपद के विकासखंड लमगड़ा के ग्राम पंचायत ठाट का अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही शहीदों के सम्मान में वृक्षारोपण किया गया और पंच प्रण कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई। इस मौके पर विकासखंड के सभी अधिकारी, कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्तियां एवं एनआरएलएम समूह की महिलाओं ने ग्राम प्रधान सरिता टम्टा उप प्रधान गौरव बिष्ट ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त तक विकासखंड लमगड़ा के अंतर्गत समस्त पंचायतों में ऐसे ही आयोजन किए जाएंगे।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए ऐलान के तहत देश में 09 अगस्त से 30 अगस्त, 2023 तक 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान चल रहा है। इसके जरिये वीर शहीदों को सम्मान दिया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी उन वीर शहीदों के जज्बे के बारे में जान सके, जिन्होंने अपने वतन के लिए प्राणों की बाजी लगा दी। इसी अभियान के तहत जगह-जगह अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ पंच प्रण लिये जा रहे हैं और इन प्रणों को पूरा करने की शपथ ली जा रही है। इन पंच प्रणों में देश की रक्षा करने वाले शहीदों को सम्मान देना, मन में बसी गुलामी की मानसिकता को जड़ उखाड़ फेंकना, प्रत्येक नागरिक को एकजुट एवं एकता के साथ कर्तव्यबद्ध रहना, भारत को वर्ष 2047 में विकसित देश बनाना तथा देश के नागरिक होने के कर्तव्य को निभाकर देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करना शामिल है।

जिलाधिकारी ने रानीधारा क्षेत्र में सीवेज कार्यों का किया निरीक्षण

अल्मोड़ा। जनता एवं जनप्रतिनिधियों की शिकायत के चलते जिलाधिकारी विनीत तोमर ने गुरुवार को अल्मोड़ा के रानीधारा क्षेत्र में चल रहे सीवेज कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था पेयजल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कार्यों के दौरान किसी भी आमजन के घर में मिट्टी या पानी न जाने पाए, कार्यों के दौरान इसकी पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा जो प्रस्ताव शासन को भेजा है, उसमें जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए। इस क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से निजात दिलाने हेतु जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका भारत त्रिपाठी, तहसीलदार दिलीप सिंह, ईई पीडब्ल्यूडी इंद्रजीत बोस समेत अन्य अधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उद्यमियों ने भूकटाव रोकने की मांग की

रुद्रपुर। सितारगंज सिडकुल एसोसिसशन के अध्यक्ष कृष्ण सत्यवली ने आरएम रविंद्र कुमार के साथ कटाव का निरीक्षण किया और एमडी सिडकुल व डीएम से सिडकुल क्षेत्र में हो रहे कटाव को रोकने के लिए कार्य कराने की मांग की।

एल्डिको सिडकुल क्षेत्र में भी नदी का कटाव जारी है। तुषार एक्सल कंपनी की तरफ नदी तेजी से कटाव कर रही है। जिससे अब कंपनी को खतरा बना हुआ है। इसके अलावा सिडकुल क्षेत्र में बैगुल व कैलाश नदियां दोनों ओर से मार कर रही है। उद्यमियों ने कहा कि विभाग किसी भी मद से भूकटाव रोकने के लिए तत्काल कार्य करे।

बीपीएड, एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगारों ने नियुक्ति की मांग उठाई

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर में बीपीएड, एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगारों ने डीएम को ज्ञापन देकर सरकार से प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षक के रूप में नियुक्ति की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस माह होने वाली कैबिनेट बैठक में इसका प्रस्ताव पारित किया जाए।

बीपीएड, एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगार संगठन ने इस संबंध में डीएम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। संगठन ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही से अब तक कैबिनेट में ई-फाइल संख्या 17162 पास नहीं की गई है। अब तक इसको लेकर सिर्फ आश्वासन मिले हैं। जबकि पूर्व में इसे कैबिनेट बैठक में पारित करने का भरोसा दिया गया लेकिन शासन में बैठे अधिकारियों के इस संबंध में कार्रवाई न करने से यह मामला अब तक फंसा है। उन्होंने कहा कि संगठन के अध्यक्ष जगदीश चन्द्र पाण्डेय ने बागेश्वर में डीएम को सौंपे ज्ञापन के अनुसार, इस मामले में सकारात्मक कदम न उठाने पर आत्मघाती कदम की चेतावनी दी है। इस दौरान संजू त्रिपाठी, कृष्ण बलदेव, प्रमोद पंत, रंजीत, पंकज वासु मौजूद रहे।

12 अगस्त को होगा एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम

रुद्रपुर। 76वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 12 अगस्त को मानवाधिकार सुरक्षा और अपराध निरोधक संगठन एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इसमें देश पर बलिदान होने वाले अमर शहीदों और शहीदों के परिवारों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। शहीदे आजम भगत सिंह के छोटे भाई राजेंद्र सिंह के पीढ़ी की पुत्र वधू जितेंद्र कौर और जितेंद्र कौर के पुत्र गुरवचन सिंह गोल्डी भी समारोह में मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोड़ा, संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान, किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ और डीएम उदय राज सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, मेयर रामपाल सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल,भाजपा के प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, समाजसेवी एडवोकेट दिवाकर पांडे, भारत भूषण चुघ और रिटायर्ड सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की मौजूद रहेंगे।

सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने की मानदेय देने की मांग

पिथौरागढ़। केरल,तमिलनाडु व अन्य राज्यों की भांति सस्ता गल्ला विक्रेताओं ने प्रतिमाह वेतन देने की मांग उठाई है। सस्ता गल्ला संगठन ने प्रदेश में लंबित पडे बिलों के भुगतान व मानदेय की मांग पर कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन हडताल की चेतावनी दी है। मूनाकोट ब्लाक सभागार में सोरघाटी सरकारी सस्ता गल्ला संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज पाण्डेय की अध्यक्षता में बैठक हुई। अध्यक्ष पाण्डेय ने कहा कि केरल व तमिलनाडु की भांति मानदेय देने की मांग सस्ता गल्ला विक्रेताओं की ओर से लंबे समय से उठाई जा रही है। अब तक विक्रेताओं की ओर से मंत्रियों व शासन के आला अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं। अब तक कोई सुध नहीं लिए जाने से सस्ता गल्ला विक्रेताओं में रोष बढ़ता जा रहा है। महासचिव कैलाश चंद्र जोशी ने कहा कि लंबित बिलों के भुगतान व मानदेय को लेकर कई बार पत्र भेज चुके हैं पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही। सस्ता गल्ला विक्रेताओं को एकजुट होकर अन्य राज्यों की भांति मानदेय की मांग को लेकर आर पार की लडाई लडनी पडेगी। उन्होंने मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की मांग न होने पर अनिश्चितकालीन हडताल की चेतावनी दी। इस दौरान लक्ष्मण गिरी,राजेंद्र सिंह सौन,मनोज,रवि पंत,कल्याण चंद,उमेश भट्ट,मनोज थरकोटी,सुरेंद्र सिंह,दीपक सिंह, बहादुर चंद, कैलाश चंद्र जोशी, ललित महर,भागीरथी बिष्ट,विजय कापडी,मनोज मौजूद रहे।

1930 पर करें साइबर ठगी की शिकायत

पिथौरागढ़। पुलिस ने साइबर ठगी के बढ़ते मामलो को देखते हुए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। एसपी लोकेश्वर सिंह ने आमजन से ठगी के शिकार होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 में तुरंत शिकायत करने को कहा है।

नगर पालिका ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शिलापट का लोकार्पण किया

रुद्रपुर। पालिका परिषद के आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम की शुरुआत स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिजनों के सम्मान के साथ हुई। पालिकाध्यक्ष सोनी राणा, अधिशासी अधिकारी दीपक शुक्ला व सभासदों ने शिलापट लोकार्पण किया गया। इस दौरान शहीद स्मारक में उपस्थित सभी लोगों ने हाथ में वसुधा वंदन की मिटटी भरकर पंचप्रण शपथ एवं सेल्फी ली और वीरों का वंदन किया।

विद्यालय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण शुरू

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय विद्यालय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण का प्रारंभ डायट प्राचार्य जी.जी. गोस्वामी द्वारा किया गया। श्री गोस्वामी ने कहा कि विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके घर से विद्यालय और विद्यालय से लेकर घर तक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने से है विद्यालय के सुरक्षित परिवेश में शिक्षा पाने का अधिकार प्रत्येक बच्चे का है अतः शिक्षकों को स्वयं व छात्रों के सुरक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। शिक्षकों को संबोधित करते हुए गोपाल सिंह गैड़ा ने कहा कि आपदा न्यूनीकरण के लिए शिक्षकों को विद्यालय भवन, कक्षा कक्ष, दरवाजे, खिड़कियां, पुराने वृक्ष, एक्सटेंशन लाइन, बिजली तार बोर्ड एवं फ्लैग आदि सुरक्षित है या नही इनकी नियमित जांच कर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यशाला में मुख्य संदर्भ दाता के रूप में जियोलॉजी, जियोटेक एंड डिजास्टर मैनेजमेंट के कंसलटेंट आर. एस. राणा ने कहा कि विभिन्न आपदाओं में बचाव हेतु जागरूकता और समझ जरूरी है शिक्षकों को खतरों की चेतावनी का निरीक्षण और मूल्यांकन करना चाहिए।

हिन्दू सेवा समिति ने कराया अज्ञात शव का अन्तिम संस्कार

अल्मोड़ा। हिंदू सेवा समिति के परिवार के सदस्यों द्वारा एक अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया गया। विदित हो कि 3 दिन पहले एक अज्ञात नेपाली महिला का शव (करीब 55 वर्ष) लमगड़ा क्षेत्र में मिला था। महिला को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से बेस चिकित्सालय (अल्मोड़ा) में लाया गया था जहां डॉक्टरों द्वारा उसको मृत घोषित किया था। जिसके बाद उसके शव का पोस्टमार्टम कर उसका शव मोर्चरी में रख दिया गया। पुलिस द्वारा 3 दिनों तक उसके परिजनों की काफी खोजबीन की गई लेकिन उसके किसी भी परिजन से संपर्क नहीं हो पाया। इस पर पुलिस प्रशासन द्वारा हिंदू सेवा समिति के सदस्यों से संपर्क किया गया और उस अज्ञात शव का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाजों के साथ विश्वनाथ घाट धाम में कर दिया गया। विदित हो कि अल्मोड़ा जिला या उसके आसपास के क्षेत्र में कोई भी इस तरह की घटना में हिंदू सेवा समिति आगे आकर अपना सहयोग हमेशा प्रदान करती है। अज्ञात शव के अंतिम संस्कार में हिंदू सेवा समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह कार्की, नीरज बोरा, गोविंद मटेला, अमित साह मोनू, पवन साह, वैभव पांडेय, अमन नज्जोन, हर्षवर्धन तिवारी, नीरज पवार, संजय कुमार संजू, पुलिस प्रशासन के खुशाल कुमार, मनमोहन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

रोडवेज बसों में जांच को बनेगी रणनीति

हल्द्वानी। सड़कों पर दौड़ रही रोडवेज की बसों में जांच को लेकर डिपो व मंडल के यातायात अधीक्षक व निरीक्षक की वर्चुअल बैठक होगी। शुक्रवार दोपहर 3.30 बजे से होने वाली बैठक में उप महाप्रबंधक (प्रवर्तन) सीपी कपूर भाग लेंगे।

मामले में सभी डिपो के यातायात अधीक्षक व निरीक्षकों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बैठक में रोडवेज बसों में चेकिंग को लेकर रणनीति बनने समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी।

जीजीआईसी बाड़ेछीना में हुआ ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित

अल्मोड़ा। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बाड़ेछीना में विकासखंड भैंसियाछाना की ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी हरीश रौतेला ने छात्र छात्राओं को मोटे अनाजों के महत्व के विषय में जानकारी देते हुए विज्ञान का हमारे जीवन में महत्व बताया। इस प्रतियोगिता में विकासखंड भैंसियाछाना के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बाड़ेछीना की कुमारी गीता सुप्याल ने प्रथम स्थान तथा इसी विद्यालय की कुमारी समृद्धि कार्की ने द्वितीय स्थान तथा सरस्वती शिशु मिशन स्कूल नौगांव रीठगाड की कुमारी तृप्ति चम्याल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या श्रीमती प्रीति पंत द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक विज्ञान समन्वयक नवीन चंद्र उपाध्याय, सह विज्ञान समन्वयक किशोर थापा, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बाड़ेछीना की प्रधानाचार्या प्रीति पंत, विज्ञान शिक्षिकाएं तनुप्रिया खुल्बे, आशा भट्ट, रेखा मेहता, शैलजा नयाल, कमला बिष्ट, शिप्रा बिष्ट, पुष्पा भट्ट, किरण पाटनी, ममता भट्ट, प्रियंका, भावना बिष्ट, हेमा पटवाल तथा मुख्य अतिथि अभिभावक संघ अध्यक्ष वीना चम्याल उपस्थित थे।

सरकारी भूमि से जल्द अतिक्रमण हटाएं

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सरकारी व सार्वजनिक परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण के विरुद्ध विभागों द्वारा अब तक की गई कार्रवाई को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक ली।

डीएम ने विभागों को सख्त निर्देश दिए कि सरकारी भूमि पर चिन्हित अवैध कब्जा करने वालों को नोटिस जारी करते हुए नियमानुसार शीघ्र अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसमें पुलिस एवं तहसील प्रशासन से अपेक्षित सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम तहसील स्तर पर विभागों के साथ अतिक्रमण मामलों की नियमित समीक्षा करें। सभी विभाग निर्धारित प्रारूप में फोटोग्राफ सहित अतिक्रमण के विरुद्ध की गई कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट उपलब्ध करें। ऐसे मामले जिनमें शासन से मार्ग निर्देशन की आवश्यकता है उनकी सूची भी दें। अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि विभागों द्वारा सरकारी भूमि पर 3307 अतिक्रमण चिन्हित किए गए है। जिसमें से 458 स्थलों पर अतिक्रमण हटा लिए गए है। अतिक्रमण हटाने के लिए विभागों द्वारा 536 व्यक्तियों को नोटिस दिए गए है। इस दौरान सभी तहसीलों से उपजिलाधिकारी, विभागीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

भूख हड़ताल से जबरन उठाने का लगाया आरोप

रुद्रप्रयाग। बीते दिन कलक्ट्रेट में भूख हड़ताल पर बैठे मैखंडा तल्ला जनपद रुद्रप्रयाग निवासी राकेश अनवाल ने उन्हें परिसर से जबरन भूख हड़ताल से उठाने का आरोप लगाया है। कहा कि वह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग को लेकर कलक्ट्रेट में भूख हड़ताल पर बैठे थे किंतु रात के दौरान यहां तैनात कर्मचारियों द्वारा उन्हें यहां से हटा लिया गया। जबकि वह अपनी मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में आमरण अनशन को बैठे थे ताकि उनकी समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि बीते दो सालों से वह परेशान है किंतु किसी तरह से शासन–प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है, जिससे मजबूरन यह कदम उठाने पड़ रहे हैं।

पुरस्कार वितरण के साथ बेनीताल मेले का हुआ समापन

चमोली। एस्ट्रोविलेज बेनीताल में आयोजित दो दिवसीय शहीद स्मृति मेले का समापन पुरस्कार वितरण और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। मेला समिति में क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों में विशेष काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। बेनीताल मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रमों में महिला मंगल दल सिमतोली, बणगांव, ऐरवाडी, कोल्सों, बगोली, सहित आस पास की महिलाओं ने झुमैलो, चांछरी सहित अन्य पारंपरिक जागरों की प्रस्तुति दी। वहीं नंदा के जागरों से पूरा क्षेत्र जयकारों से गूंज उठा। जबकि जीआईसी केदारूखाल, घंडियाल, सिमतोली, ऐरवाडी के स्कूली बच्चों ने भी लोकगीत–लोकनृत्य की मनमोहन प्रस्तुतियां मेले में दी। समापन अवसर पर मेला समिति ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस दौरान मेले में स्वास्थ्य विभाग, कृषि, पशुपालन, उद्यान विभाग व उद्योग द्वारा लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई। जबकि चमोली पुलिस द्वारा लोगों को साइबर क्राइम की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। वहीं युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए नशे से दूर रहने की अपील की। इस मौके पर मेला समिति अध्यक्ष मगन सिंह नेगी, सचिव बीरेन्द्र मिंगवाल ने सभी अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, पूर्व कनिष्ठ उपप्रमुख सुभाष रावत, कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष गौतम मिंगवाल, पुष्कर सिंह रावत, मेला समिति उपाध्यक्ष यशपाल कठैत, कोषाध्यक्ष राकेश सिह कोटियाल, सचिव बीरेन्द्र मिंगवाल, संजय रावत, दीप चंद्र, सीमा देवी आदि मौजूद थे।

कीर्तिनगर बीडीसी बैठक स्थगित

नई टिहरी। कीर्तिनगर ब्लाक प्रमुख सोवन सिंह पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को बीडीसी की बैठक होनी थी, लेकिन बैठक में सदस्यों का कोरम पूरा न होने के कारण बैठक स्थगित कर दी गई है। बैठक में 97 ग्राम प्रधानों में से 23 और बीडीसी मेंबरों में 40 में से मात्र 12 उपस्थित थे। बारिश के कारण सदस्यों की उपस्थिति कोरम के अनुरूप नहीं हो पाई। कोरम पूरा करने के लिए कुल 47 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक थी।

वन भूमि हस्तांतरण के 44 मामले लंबित

चमोली। चमोली जिले में वन भूमि हस्तांतरण के सैद्धान्तिक स्वीकृति के 44 प्रस्ताव विभिन्न स्तर पर लंबित हैं। जिसमें से प्रस्तावक विभाग के पास 32, एसडीएम स्तर पर 2, प्रभाग के पास 3, नोडल अधिकारी स्तर पर 5 तथा राज्य और भारत सरकार स्तर पर एक–एक प्रस्ताव हैं। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने कहा कि जिले में वन भूमि हस्तांतरण के कारण कोई भी विकास कार्य नहीं रुकने चाहिए। विभागीय अधिकारी स्वयं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए प्रभागीय वनाधिकारी से संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर जिला स्तर से प्रस्ताव शासन को भेजें। किसी कारण से जो प्रकरण निरस्त होने हैं उनको निरस्त किया जाए। ऐसे प्रकरण जिनमें आपत्तियां लगी हैं उनका तत्काल निस्तारण करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने लोनिवि, पेयजल निगम, सिंचाई, पिटकुल आदि विभागों के अन्तर्गत लंबित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा में यह निर्देश दिए । समीक्षा बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित लोक निर्माण विभाग के सभी डिवीजनों के अधिशासी अभियंता मौजूद रहे।

एक माह में 379 बंदरों को भेजा चिड़ियापुर

नई टिहरी। आम लोगों को बंदरों से राहत दिलाने के लिए टिहरी वन प्रभाग ने कार्यवाही तेज की है। बंदरों की धरपकड़ निरंतर जारी रखते हुए अब तक 379 बंदरों को वन्यजीव ट्रांजिट एवं पुर्नवास केंद्र हरिद्वार भेजने का काम किया है।

इस बाबत टिहरी रेंज के रेंज अधिकारी आशीष डिमरी ने बताया कि बंदरों की आवाजाही क्षेत्र में घुसपैठ को रोकने व आम लोगों की अपील पर निरंतर बंदरों की धरपकड़ की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत बीते एक माह में 379 बंदरों को चिड़ियापुर भेजने का काम किया गया है।

डिमरी ने बताया कि आम लोगों से अपील है कि जंगली जानवरों को खाना न परोसें व उचित दूरी बनाये रखें, ताकि जंगली जानवरों के हमलों से बचा जा सके। बताया कि आबादी क्षेत्र नई टिहरी, बौराड़ी, बीपूरम आदि में निरंत बंदरों की धरपकड़ की कार्यवाही की जा रही है। बंदरों के आतंक को लेकर आम लोगों की शिकायतों पर विभाग तत्परता से कार्यवाही कर रहा है।

शहर से गांव तक आफत की बारिश

ऋषिकेश। मूसलाधार बारिश शहर और साथ लगते देहात के इलाकों में लोगों के लिए आफत बन गई। कई स्थानों पर दो दर्जन से ज्यादा घरों में पानी घुसने से लोगों का कीमती सामान भी खराब हो गया। नुकसान का जायजा लेने को तहसील की टीम प्रभावित क्षेत्रों में पहुंची। बरसाती पानी की निकासी के इंतजाम के साथ प्रभावितों को मुआवजा देने का भरोसा दिया। बुधवार रात से लेकर गुरुवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश से शहर की सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। मुख्य मार्ग और आंतरिक मार्गों पर जलभराव से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई मार्गों पर घुटने तक बरसाती पानी जमा होने से लोग पैदल भी नहीं चल सके। गंगानगर, चंद्रभागा, चंद्रेश्वरनगर और अमितग्राम क्षेत्र में बरसाती पानी लोगों के घरों में घुस गया। पानी घरों में आते ही अफरा–तफरी फैल गई। कीमती सामान को बचाने के लिए लोग रात से लेकर सुबह तक जद्दोजहद करते नजर आए। खुद को बचाने के लिए उन्हें मजबूरन छतों पर रात गुजरनी पड़ी। रानीपोखरी में भी कई ग्रामीणों के घरों तक बरसाती पानी पहुंच गया।

लापता 20 लोगों में से दो व्यक्तियों के शव बरामद

अब तक पांच व्यक्तियों के शव हुए बरामद, 18 लापता, रेस्क्यू जारी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भारी भूस्खलन के कारण लापता हुए 20 लोगों में से दो व्यक्तियों के शव डीडीआरएफ,एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, वाईएमएफ, पुलिस की टीम ने बरामद किये है । उक्त घटना में लापता हुए 23 व्यक्तियों में से अब तक 05 व्यक्तियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। शेष 18 लापता व्यक्तियों का रेस्क्यू एवं खोजबीन कार्य जारी है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि विगत दिनों गौरीकुंड डाटपुलिया के समीप भारी भूस्खलन के कारण लापता हुए 20 लोगों का गुरूवार को सावतें दिन भी लगातार घटना स्थल पर जिलाधिकारी के निर्देशन मे सर्च रेस्क्यू एवं खोजबीन का अभियान जारी रहा।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र कमल सिंह रावत उम्र 38 वर्ष एवं पुत्रवधु रंजना देवी उम्र 35 वर्ष पत्नी कमल सिंह रावत मेरे कहने-सुनने में नहीं है। मेरे पुत्र कमल सिंह रावत ने प्रेम विवाह किया है। मेरा पुत्र एवं पुत्रवधु मेरी देखरेख नहीं करते है, जो बुरी संगति में पड़ चुके है। दोनों पति-पत्नी आपस में मारपीट करते रहते है तथा आपस में बोलचाल और हाथापाई करते रहते है। जो मुझे व मेरे परिवार को तंग परेशान करते रहते है। उनकी इन हरकतों से तंग और परेशान होकर मैंने अपने पुत्र कमल सिंह रावत एवं पुत्रवधु रंजना देवी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र व पुत्रवधु का मुझसे तथा मेरे पूरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं रहेगा। मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु द्वारा किये गये किसी ड्ढी प्रकार के लेन-देन, अपराध एवं कृत्य आदि के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगें। उनके द्वारा किये गये किसी ड्ढी अनैतिक कृत्य, अपराध, लेन-देन आदि के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

गबर सिंह रावत पुत्र स्व. शिवराज सिंह रावत निवासी ग्राम लालपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

प्रभावित परिवारों को भवन निर्माण हेतु जल्द जारी करें धनराशि : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को वीसी के माध्यम से विस्थापन और पुनर्वास के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन प्रभावित परिवारों को भवन निर्माण हेतु धनराशि जारी की गई है, उनके भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाए। पुनर्वास कार्यो के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए तहसील स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए। विस्थापित परिवारों के लिए विद्युत, पानी, रास्ते एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षात्मक कार्य किए जाने हेतु संयुक्त रूप से जियोलॉजिकल सर्वेक्षण कराने के बाद शीघ्र इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ताकि प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षात्मक कार्य किए जा सके। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी ने बताया कि 24 गांवों के 382 परिवारों को विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु 1574.55 लाख धनराशि अवमुक्त की गई है। ग्राम सरपाणी में विस्थापित परिवारों के लिए विद्युत व्यवस्था हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। ग्राम मठ, छिनका, हरमनी के पोल तोक, झलिया, ओडर, रैणी, देवग्राम, पगनौं, जुग-जुग के विस्थापन हेतु भूमि चिन्हित किए जाने की कार्यवाही गतिमान है। वीसी में सभी तहसीलों से उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

आह्वान संस्था करेगी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान को लेकर आह्वान संस्था आगे आई है। संस्था की ओर से अक्टूबर माह में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का सफल बनाने के लिए संस्था ने तैयारियां शुरू कर दी है।

संस्था अध्यक्ष प्रियंका थपलियाल व सचिव विमल वर्मा ने बताया कि इस बाबत तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। संस्था अक्टूबर में इस आयोजन को करने जा रही है। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य मंत्री को आमंत्रित किया गया है। इसके लिए सीएम से मुलाकात कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई है। आयोजन को लेकर सीएम ने भी आश्वासन दिया है। बताया कि संस्था बीते एक साल से महिला उत्थान एवं बाल विकास के कार्यों कर रही है। बीते मई में संस्था ने मातृ दिवस पर पौड़ी में दो सौ से अधिक महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें मुख्य अतिथि महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने शिरकत की थी।

अब अक्टूबर में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।

इसे सफल बनाने के लिए संस्था ने जिम्मेदारियां भी दी हैं।

वीरभद्र में बिजली घर में घुसा पानी

ऋषिकेश। वीरभद्र में ऊर्जा निगम के 220 केवी के बिजली घर में बरसाती पानी घुस गया। पानी के बिजली उपकरणों तक पहुंचते ही तैनात कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। उन्होंने बामुश्किल बिजली सप्लाई को बंद किया। गनीमत रही कि इस दौरान स्टेशन में करंट नहीं फैला। यहां बड़ा हादसा होते–होते टल गया। पानी भरने से शिवाजीनगर में विद्युत आपूर्ति तीन घंटे तक ठप रही। गुरुवार सुबह करीब पांच बजे अचानक बरसाती पानी वीरभद्र में 220 केवी के बिजली घर तक पहुंच गया। पानी के उपकरणों के तक पहुंचने के साथ ही तैनात कर्मचारियों के हाथ–पांव फूल गए। उन्होंने आनन–फानन में बिजली सप्लाई को बंद किया, इसके बाद निगम के अधिकारी भी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह से बिजलीघर से बरसाती पानी को बाहर निकाला। इस दौरान करीब नौ बजे तक शिवाजीनगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रही। अधिशासी अभियंता शक्ति प्रसाद ने बताया कि बिजलीघर में चार से पांच कर्मचारियों की तैनाती है, लेकिन वह कंट्रोल रूम में थे। संबंधित स्थान पर एक कर्मचारी ही था। समय रहते बिजली सप्लाई को बंद कर दिया गया। तीन घंटे आपूर्ति बाधित होने के बाद फिर से सप्लाई चालू कर दी गई।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

... www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	128-DRM-MB-23-24 DATE : 10.08.2023
कार्य का नाम	CTR (S) for shunting neck of FCI siding RAC with PSC sleeper 52 Kg SH & Rail 52 Kg SH, Line No. 20 FCI shunting neck line = 860.00 Mtr.
टेन्डर क्लोजिंग दिनांक/समय	01.09.2023 16:00
अनुमानित लागत	70,92,623.98
बयाना राशि	1,41,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	15.08.2023
ऑफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 10.08.2023 2484/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालती सूचना

न्यायालय सिविल जज महोदय कोटद्वार गढ़वाल

दीवानी वाद संख्या 79 सन् 2023

श्रीमती लक्ष्मी उर्फ लक्ष्मी खर्कवाल उर्फ लक्ष्मी बड़थ्वाल आयु 56 वर्ष पत्नी स्व. विमल कुमार निवासी ग्राम पाली तल्ली, पो0ओ0 गुमखाल, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल, हाल निवासी ग्राम शिवराजपुर, पट्टी मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल। (मोबाइल नम्बर-9528985642) - वादी

बनाम

1- आम जनता।

2- उत्तराखण्ड प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय, पौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल।

3- ग्राम प्रधान, ग्रामसभा पाली तल्ली, पो0ओ0 गुमखाल, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल।

4- कमान्डेन्ट महोदय, आर्टिलरी रिकर्डस, पिन 908802, द्वारा 56 ए0पी0ओ0।

-प्रतिवादीगण

समन बनाम- आम जनता

चूंकि वादिनी ने अपने नाम को लक्ष्मी उर्फ लक्ष्मी खर्कवाल उर्फ लक्ष्मी बड़थ्वाल एवं स्वयं को विमल कुमार पुत्र महेश्वर प्रसाद निवासी ग्राम पाली तल्ली, पो0आ0 गुमखाल, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल की विधिक पत्नी होने की उद्घोषणा करवाये जाने बाबत एक घोषणात्मक आज्ञप्ति हेतु मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है लिहाजा हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को वादी के नाम को सही करने हेतु एतराज हो वह दिनांक 5-9-23 को बवक्त 10 बजे दिन मेरे न्यायालय में स्थान कोटद्वार में हाजिर आकर मामले में पैरवी करें। अन्यथा मामले में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 27-7-23 को जारी किया गया।

न्यायालय सिविल जज कोटद्वार गढ़वाल।

चुनाव नजदीक आते ही शुरु हो जाता है सांप्रदायिकता का नंगा नाचः प्रीतम सिंह

विकासनगर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर फुनकू दास की जयंती पर गुरुवार को कालसी में भव्य समारोह आयोजित किया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र–छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह का उद्घाटन करते हुए चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहा कि जौनसार बावर की धरती ने वीरों को पैदा किया है।

ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान तक यहां के वीर सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि वीर नंतराम से लेकर फुनकू दास, शहीद केसरी चंद का बलिदान अविस्मरणीय है। इसके साथ ही देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बलिदानियों को भी यहां की माताओं ने जन्म देकर जौनसार बावर को धन्य किया है। भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि वीर सपूतों को पैदा करने वाली भूमि और माताओं को इस सरकार ने छलने का काम किया है। कई वादे किए गए, लेकिन एक भी वादा सरकार ने पूरा नहीं किया। जब चुनाव नजदीक आते हैं तो देश में सांप्रदायिकता का नंगा नाच शुरु कर दिया जाता है। कहा कि बीते तीन माह से मणिपुर जल रहा है और देश का मुखिया दिल्ली में चैन की बंशी बजा रहा है। कहा कि मणिपुर सीमांत प्रदेश हैं, वहां इस तरह के हालात देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। कहा कि सरकार सीमांत प्रदेशों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है, जबकि देश के अंदर आम आदमी रोटी, कपड़ा और मकान के लिए जूझ रहा है। कहा कि आजादी की हीरक जयंती वर्ष में देश में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाई चारा बनाए रखने के साथ ही युवाओं को रोजगार, जनता को महंगाई से निजात दिलाना ही आजादी के मतवालों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मारपीट में पति सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर के अंतर्गत जीवनगढ़ निवासी महिला ने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, गाली–गलौज, जान से मारने की धमकी देकर घर से निकालने का आरोप लगाया है।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शाइस्ता पुत्र अलीशेर निवासी जीवनगढ़ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी मुस्तफा निवासी ढकरानी से हुई थी।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् लैन्सडौन द्वारा स्वीकृत तिथि से 01 वर्ष हेतु लैन्सडौन छावनी के व्यायामशाला/जिम/हैल्थ क्लब/योगा केन्द्र के लीज पर दिये जाने हेतु सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 28/08/2023 को समय 1500 बजे टेण्डर बॉक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिन समय 1530 बजे खोली जाएगी। निविदा फार्म दिनांक 26/08/2023 तक समय 1700 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है साथ ही अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 26/08/2023 तक सम्पर्क किया जा सकता है।

पत्रांक 2000/दु0स0/छा0प0

कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन — **मुख्य अधिशासी अधिकारी**

दिनॉक अगस्त 2023 — **छावनी परिषद् लैन्सडौन**

विवेकानंद नेत्रालय ने 20 लोगों को किट देने के साथ लिया गोद

रुद्रप्रयाग। रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित विवेकानन्द नेत्रालय देहरादून के माध्यम से राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन योजना में ठीक हुए लाभार्थियों का सम्मान किया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में हुए सम्मान समारोह में जनपद के 20 ऐसे लाभार्थियों का सम्मान किया गया जो क्षय रोग की बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। इन सभी को विवेकानन्द नेत्रालय देहरादून द्वारा नि–क्षय मित्र कार्यक्रम में गोद लिया गया था। इसके साथ ही विवेकानंद ने 20 अन्य लोगों को गोद ले लिया है जिन्हें पोषण किट वितरित की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएमओ डॉ विमल गुसाईं ने कहा कि टीबी एक गंभीर बीमारी है जो समय पर दवा के साथ पुष्ट भोजन तथा हाई प्रोटीन डाइट लेने से ठीक हो जाती है। कहा कि विवेकानंद संस्थान इस क्षेत्र में पुनीत कार्य कर रहा है। कहा कि रामकृष्ण मिशन जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं में हमेशा ही अग्रणी रहा है। क्षय रोग के निदान में भी मिशन का महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर अतिथि नपं अध्यक्ष अरुणा बेंजवाल ने संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर पीजी कालेज अगस्त्यमुनि के प्राचार्य डॉ सीताराम नैथानी, डॉ केपी चमोली, डॉ विष्णु शर्मा, कॉडिनेटर तेजबहादुर, हनुमन्त सिंह, सौरव, छात्र संघ पदाधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र मौजूद थे।

अभद्रता पर चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

ऋषिकेश। कुछ लोगों के साथ अभद्रता और मारपीट के मामले में आईडीपीएल चौकी प्रभारी पर गाज गिरी है। उन्हें डीआईजी ने तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। आईडीपीएल की कमान अब एसआई ज्योति प्रसाद उनियाल को सौंपी गई है। विवाद की जांच भी सीओ को सौंपी गई है, इसकी रिपोर्ट मिलने पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी दलीप सिंह कुंवर ने गुरुवार को आईडीपीएल चौकी में हाल ही में प्रभारी बनाए गए एसआई कविंद्र राणा को लाइन हाजिर कर दिया।

उनकी जगह रायवाला थाने में तैनात एसआई ज्योति प्रसाद उनियाल को चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। डीआईजी ने बताया कि किसी भी पुलिस कर्मी को शिकायतकर्ता से अभद्र व्यवहार करने का अधिकार नहीं हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों को चौकी में लाकर उनसे पहले अभद्रता की गई। इसके बाद मारपीट होने पर संबंधित शिकायत लेकर पुलिस मुख्यालय पहुंचे।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् द्वारा 05 दुकानों का सदर बाजार से भुल्लाताल जाने वाली रोड के किनारे बनी दुकान सं0 01, 03, 05 एवं 06, दुकान सं0 04 (स्वयं सहायता समूह व स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने वाली संस्था हेतु) (साईज 10"x12" वर्ग फिट प्रति दुकान) जो टीन से निर्मित है को चलाने हेतु मासिक लाईसेन्स शुल्क के आधार पर 03 वर्षों हेतु सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनॉक 12 सितम्बर 2023 को 1500 बजे कार्यालय टेण्डर बॉक्स में डाले जा सकते है जो उसी दिन समय 1530 बजे खोले जाऐंगे। दुकान/स्टॉल के टेण्डर प्रतिमाह लाईसेन्स के आधार पर डालने होंगें। दुकानों की निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते इस कार्यालय में दिनॉक 11 सितम्बर 2023 तक किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती है।

पत्रांक 2000/दु0स0/छा0प0

कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन — **मुख्य अधिशासी अधिकारी**

दिनॉक अगस्त 2023 — **छावनी परिषद् लैन्सडौन**

सम्पादकीय

मेडिकल पाठ्यक्रम में हिंदी

उत्तराखंड के मेडिकल कॉलेजों में राज्य सरकार ने अब मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम से भी कराने का निर्णय ले लिया है। मध्य प्रदेश के तमाम मेडिकल कॉलेजों में हिंदी माध्यम से भी डॉक्टर पढ़ाई कर रहे हैं और इसी राज्य कि इस पद्धति का अध्ययन करने के बाद उत्तराखंड में भी अब मेडिकल कॉलेजों में शैक्षिक सत्र 2023–24 से एमबीबीएस की पढ़ाई अंग्रेजी के साथ–साथ हिन्दी में कराये जाने की तैयारी कर ली गई है। मेडिकल पाठ्यक्रम हिन्दी में तैयार करने के लिये विभाग द्वारा राजकीय मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक विशेष समिति गठित की गई थी जिसने राज्य के मेडिकल कॉलेजों के लिये हिन्दी माध्यम में सिलेबस तैयार किया और इसे हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय को सौंपा। विश्वविद्यालय ने भी हिन्दी मीडियम पाठ्यक्रम लागू करने की सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी है। निश्चित तौर पर राज्य सरकार के यह प्रयास हिंदी माध्यम से चुनकर आने वाले छात्रों के लिए वेयर उपयोगी साबित होंगे लेकिन बिना अंग्रेजी के ज्ञान के मेडिकल की विस्तृत जानकारियों से वाकिफ होना संभव नहीं है। ऐसे छात्र जो देश विदेश में भविष्य में अपनी सेवाएं देने का मन बना रहे हो उनके लिए अंग्रेजी माध्यम ही सबसे बेहतर विकल्प है। हालांकि राज्य सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई के लिए दोनों ही विकल्प खुले रखे हैं और छात्र अंग्रेजी माध्यम के साथ ही हिंदी को भी चुन सकते हैं। मेडिकल का विस्तृत ज्ञान जितना अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है उतना शायद अभी हिंदी में नहीं है और यही कारण है कि अभी भी मेडिकल हो या फिर इंजीनियरिंग या फिर प्रबंधन की पढ़ाई उसमें पूरी तरह से अंग्रेजी का ही बोलबाला है। देश के ऐसे राज्य उंगली में गिनने वाले हैं जो हिंदी भाषा में मेडिकल की पढ़ाई करते हैं और इसमें उत्तराखंड एक प्रमुख राज्य बनने जा रहा है। हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई के लिए सरकार एवम संबंधित संस्थानों की यह बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है कि वह तमाम पाठ्य पुस्तक एवं शोध हिंदी में छात्राओं को उपलब्ध कराए जो उनकी पढ़ाई में सहायक साबित हो। निश्चित तौर पर हिंदी भाषी छात्रों के लिए मेडिकल की पढ़ाई में हिंदी का प्रयोग एक बड़ा वरदान साबित होने वाला है लेकिन मात्र हिंदी के भरोसे मेडिकल की बारीकियों को समझना बेहद जटिल साबित हो सकता है। मेडिकल में हिंदी भाषा को सार्थक एवं व्यवहारिक बनाने के लिए तमाम जानकारियां हिंदी भाषा में उपलब्ध करानी होंगी, और इसके लिए बुनियादी स्तर पर पाठ्यक्रम तैयार करने की जरूरत है। तमाम बीमारियों की मेडिकल हिस्ट्री हिंदी में उपलब्ध कराना एक जटिल कार्य होगा लेकिन यदि सरकार ने संकल्प लिया है तो हिंदी में तमाम जानकारियां संबंधित एजेंटीयों व विश्वविद्यालय के माध्यम से छात्रों को उपलब्ध कराई जा सकती हैं। हिंदी भाषी मेडिकल छात्रों के लिए सरकार का यह निर्णय वरदान साबित होगा हालांकि उन्हें अंग्रेजी के ज्ञान को भी समानांतर तौर पर अपनी प्रैक्टिस का हिस्सा बनना होगा।

सरकार मजबूर है, समाजवादी नहीं!

हैरानी की बात है कि जिन लोगों को देश और दुनिया में बढ़ती आर्थिक विषमता से परेशानी है उनको भी समाजवादी नीतियों से चिढ़ है! हालांकि यहांयह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि सरकार की नीतियों का समाजवाद से कोई लेना–देना नहीं है। उसकी दूसरी मजबूरियां हैं, जिसकी वजह से ऐसे फैसले हुए हैं।असल में कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद जब इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की कमी हुई तो सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ट इनसेंटिव यानी पीएलआई स्कीम लागू की थी। इस योजना के तहत सरकार ने १४ अलग अलग सेक्टर की कंपनियों को सामान बना कर बेचने पर पांच साल तक के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की थी। यह सब्सिडी सामान की कीमत के तीन से पांच फीसदी तक हो सकती थी। इसका फायदा भी हुआ। मिसाल के तौर पर मोबाइल हैंडसेट के निर्यात का जिक्रकिया जा सकता है। भारत में इसका कोई निर्यात नहीं होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष में ९० हजार करोड़ का मोबाइल हैंडसेट भारत से निर्यात हुआ है, जिसमें आधा हिस्सा एप्पल के मोबाइल हैंडसेट का है।हालांकि लैपटॉप और कंप्यूटर के मामले में सरकार की पीएलआई स्कीम सफल नहीं हुई। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एप्पल या दूसरी कंपनियां भारत में लैपटॉप या कंप्यूटर बनाने नहीं आईं।

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और टैबलेट के आयात को सीमित करने के लिए एक नीति की घोषणा की है। पहले कहा गया था कि आयात को सीमित करने वाली यह नीति तत्काल लागू होगी लेकिन २४ घंटे के अंदर इसे लेकर ऐसी हायतौबा मची की सरकार ने इसे तीन महीने के लिए टाल दिया। अब यह नीति एक नवंबर से लागू होगी। इस नीति में सरकार ने सिर्फ इतना कहा है कि लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट के आयात के लिए कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अब विदेश में बने उत्पाद भारत में नहीं बिकेंगे। इसका सिर्फ इतना मतलब है कि जैसे पहले एप्पल, सैमसंग, डेल जैसी कंपनियां जो विदेश में अपने उत्पाद बनाती थीं और भारत में लाकर बेच देती थीं वैसे नहीं बेच पाएंगी। पहले उन्हें सिर्फ आयात शुल्क चुकाना होता था और अपने उत्पाद बेचने की छूट थी। अब उन्हें इसके लिए लाइसेंस यानी सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

सरकार कारोबार सुगमता रेटिंग में चाहे कितनी भी ऊपर चली जाए लेकिन सबको पता है कि उससे किसी कारोबार की मंजूरी या लाइसेंस लेना कितना मुश्किल होता है। तभी जैसे ही सरकार ने इस बारे में नोटिस जारी किया वैसे ही इसका विरोध शुरू हो गया और इसे पुरानी समाजवादी अर्थव्यवस्था की और लौटने का कदम बताया जाने लगा। इसमें दिलचस्प बात यह है कि सरकार के विरोधियों ने भी अपने तर्क से इस नीति की मुखालफत की तो सरकार के समर्थकों ने अपने तर्कों से इसका विरोध किया। किसी ने समाजवादी नीतियों की वापसी बताई तो किसी ने कोटा परमिट राज का लौटना बताया। इससे कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात पर भी पाबंदी लगाई थी। उसके साथ ही इस नीति को मिला कर देखा गया और यह प्रमाणित किया गया कि सरकार पुराने रास्ते पर लौट रही है। लेकिन हकीकत यह है कि सरकार समाजवादी नहीं हुई है। ज्यादा से ज्यादा उसे संरक्षणवादी कह सकते हैं। इस तरह की नीतियां अमेरिका से लेकर यूरोप तक के देश समय समय पर आजमाते रहे हैं।

बहरहाल, पुराना रास्ता या मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता वह है, जिस पर आजादी के बाद भारत चला था। आजादी के बाद ४५ साल तक भारत में कोटा, परमिट, लाइसेंस राज था। हर काम के लिए सरकार से अनुमति लेनी होती थी। नरसिंह राव की सरकार ने १९९२ में इस व्यवस्था को बदला था। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को कई तरह के बंधनों से मुक्त कर दिया था। हालांकि तब यह बहस होती रही थी कि देश इसके लिए तैयार है या नहीं? इसमें कोई संदेह नहीं है कि उस समय भारत और भारत के निजी कारोबारी विदेशी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार

नहीं थे। इसके बावजूद आजादी के ४५ साल की बदली हुई स्थितियों में भारत की आर्थिक नीतियों में बदलाव जरूरी था, जो हुआ। दूसरा और तात्कालिक कारण यह था कि १९९१ के आर्थिक संकट के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली था, जिसे भरने के लिए जरूरी था कि बाहर से डॉलर आए। नरसिंह राव की नीतियों से बदलाव भी हुआ और डॉलर भी आया। उसके बाद से कभी भी भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली नहीं हुआ है।

उसके बाद से अब तक भारत की सरकारें उसी रास्ते पर चलती रही हैं। लेकिन केंद्र सरकार के हाल के दो फैसलों, गैर बासमती चावल का निर्यात रोकने और लैपटॉप के आयात को सीमित करने के बाद सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि वह समाजवादी नीतियां या कोटा, परमिट लाइसेंस राज की नीतियां वापस ला रही है। सरकार की इस आलोचना में असल कारण आर्थिक या सरकार से नाराजगी नहीं है, बल्कि समाजवादी नीतियों से चिढ़ है। ध्यान रहे पिछले तीन–चार दशकों में दुनिया में उदार लोकतंत्र और सार्वभौमिक पूंजीवाद की नीतियों को सर्वश्रेष्ठ मानने का चलन बढ़ा है। यह माना जाता है कि दुनिया के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है। चूंकि इस रास्ते के लिए वैचारिक स्तर पर चुनौती सिर्फ समाजवाद की नीतियों से है, जिसका मूल तत्व है कि, चन्हीं किसी को बहुत अधिक हो नहीं किसी को कम होज्। हैरानी की बात है कि जिन लोगों को देश और दुनिया में बढ़ती आर्थिक विषमता से परेशानी है उनको भी समाजवादी नीतियों से चिढ़ है! हालांकि यहांयह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि सरकार की नीतियों का समाजवाद से कोई लेना–देना नहीं है। उसकी दूसरी मजबूरियां हैं, जिसकी वजह से ऐसे फैसले हुए हैं।असल में कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद जब इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की कमी हुई तो सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ट इनसेंटिव यानी पीएलआई स्कीम लागू की थी। इस योजना के तहत सरकार ने १४ अलग अलग सेक्टर की कंपनियों को सामान बना कर बेचने पर पांच साल तक के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की थी। यह सब्सिडी सामान की कीमत के तीन से पांच फीसदी तक हो सकती थी। इसका फायदा भी हुआ। मिसाल के तौर पर मोबाइल हैंडसेट के निर्यात का जिक्रकिया जा सकता है। भारत में इसका कोई निर्यात नहीं होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष में ९० हजार करोड़ का मोबाइल हैंडसेट भारत से निर्यात हुआ है, जिसमें आधा हिस्सा एप्पल के मोबाइल हैंडसेट का है।हालांकि लैपटॉप और कंप्यूटर के मामले में सरकार की पीएलआई स्कीम सफल नहीं हुई। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एप्पल या दूसरी कंपनियां भारत में लैपटॉप या कंप्यूटर बनाने नहीं आईं। उलटे भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली इनसेंटिव की राशि बढ़ती गई। सो, ऐसा लग रहा है कि सरकार ने लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट बनाने वाली कंपनियों को मजबूर करने के लिए यह कदम उठाया है। हो सकता है कि लाइसेंस राज की वजह से कंपनियां भारत में अपनी फैक्टरी लगाएं और उत्पादन शुरू करें। इससे भारत को दोहरा फायदा है। एक तो फैक्टरी लगने से रोजगार की संभावना बढ़ेगी और दूसरे भारत से निर्यात होने पर उसका फायदा अलग होगा। हालांकि यह भी संभव है कि कंपनियां फैक्टरी लगाने की बजाय लाइसेंस लेकर अपने उत्पाद को भारत में बेचती रहें। नवंबर के बाद ही इसका पता लगेगा कि इस नीति का कितना असर होगा।

लेकिन पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि सरकार कंपनियों को भारत में फैक्टरी लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते ऐसा कर रही हैं। इस नीति का फायदा घरेलू कंपनियों को मिल सकता है। एक चर्चा यह भी है कि रिलांयस इंडस्ट्रीज ने एक अगस्त को जियो बुक नाम से अपना लैपटॉप लॉन्च किया, जिसकी कीमत उसने १६ हजार रुपए रखी है। और उसके दो दिन बाद ही सरकार ने लैपटॉप के आयात पर पाबंदी लगा दी। हालांकि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है, जिससे यह प्रमाणित हो कि रिलायंस को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने आयात को सीमित करने का कदम उठाया है। परंतु सरकार ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था से जुड़ी इस नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा उससे संदेह जरूर पैदा होता है। बहरहाल, सरकार के इस फैसले के पीछे कई कारण दिख रहे हैं। आर्थिक, राजनीतिक, कूटनीतिक सब तरह के कारण हैं लेकिन उनका समाजवादी नीतियों से कोई लेना देना नहीं है।

महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले, जानें इसे लेकर क्या कहती है स्टडी

दिल का स्वस्थ रहना किसी भी इंसान की लाइफ के लिए बहुत जरूरी है. लेकिन दिल की खराबी और दिल संबंधी बीमारियों यानी कार्डियोवैस्?कुलर रोगों ने आजकल ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरु कर दिया है. हैल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि पहले दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक एक उम्र के बाद होता था लेकिन आजकल जवान और बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं. खास बात ये है कि पिछले कुछ सालों में पुरुषो के मुकाबले महिलाएं दिल के दौरे की चपेट में ज्यादा आ रही हैं.

क्या कहती है स्टडी

इस संबंध में कराए गए अध्ययन में कहा गया है कि कार्डियोवैस्?कुलर रोग संबंधी खतरे महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं हर साल महिलाओं में करीब ३५ फीसदी मौतें केवल दिल संबंधी बीमारियों के चलते होती है. ऐसे में जरूरी है कि महिलाओं में दिल संबंधी बीमारियों को लेकर जागरुकता फैलाई जाए. चलिए आज बात करते हैं कि महिलाओं में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज यानी ह्रदय संबंधी बीमारी से जुड़े रिस्क के लक्षण क्या क्या हो सकते हैं.

महिलाओं में ह्रदय संबंधी बीमारियों के संकेत क्या क्या हैं

हार्ट रिलेटेड बीमारियों के प्रति जागरुकता की कमी और हार्ट डिजीज के प्रति महिलाओं की सेंसेटिविटी ही महिलाओं को दिल संबंधी खतरों की ओर धकेल रही है. इसके कारण औरतें कम ही उम्र में हार्ट अटैक और हार्ट संबंधी दूसरे खतरों का शिकार हो रही हैं. हालांकि कुछ मामलों में महिलाओं में हार्ट की बीमारी से जुड़े संकेत पुरुषों से कुछ अलग हो सकते हैं. जैसे जबड़े में दर्द होना महिलाओं में हार्ट अटैक से पहले का एक सामान्य लक्षण है. इसके अलावा कंधे और बाएं सीने में दर्द होना भी एक सिंपटम है. इसके अलावा पीठ के ऊपरी भाग और पेट के ऊपरी हिस्से में रह रह कर दर्द होना भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है. लगातार पसीना आना, चक्कर आना भी कार्डिएक अरेस्ट का लक्षण है. कोई भारी काम ना करने के बावजूद आर्म्स पेन भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है.

किन महिलाओं को हो सकता है कार्डिएक अरेस्ट का ज्यादा खतरा

डॉक्टर अनुमान लगाते हैं वो महिलाएं जिनकी पारिवारिक हिस्टरी में हार्ट अटैक के मामले हैं, वो इसकी ज्यादा गिरफ्त में आती हैं. इसके अलावा डायबिटीज २, मोटापा, हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप से पीड़ित महिलाएं भी दिल के दौरे और हार्ट रिलेटेड डिजीज का जल्दी शिकार बनती हैं. वो महिलाएं जिनका कोलेस्ट्रोल हाई रहता है, मैनोपॉज की स्थिति से जूझ रही महिलाएं, एंजाइटी और स्ट्रेस का शिकार महिलाएं, कम नींद लेने वाली महिलाएं और स्मोकिंग और अल्कोहल का ज्यादा सेवन करने वाली महिलाएं कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) का ज्यादा शिकार बनती हैं.

नाइजर है फ्रांस की किरकिरी

श्रुति व्यास

नाइजर का सैनिक नेता जिद पर अड़ा हुआ है। वहां की सैनिक सरकार इकोवास (इकनोमिक कम्युनिटी ऑफ़ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स) से लडऩे के लिए तैयार है। इकोवास द्वारा वहां के अपदस्थ राष्ट्रपति को दुबारा सत्ता सौंपने के लिए तय की गयी आखिरी तारीख़ झ ६ अगस्त झ निकल चुकी है। इसके अलावा ७ अगस्त को अमेरिका के राजदूत को भी अपदस्थ राष्ट्रपति से मिलने और उनसे चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई। पिछले महीने के तख्तापलट के बाद लोकतंत्र की वापसी के सभी आव्हानों को ठुकरा दिया गया।

पश्चिमी अप्रीका के पड़ौसी देशों के जमावड़े इकोवास ने ६ अगस्त तक बजौम को दुबारा सत्ता न सौंपे जाने पर बलप्रयोग की धमकी दी थी। धीरे–धीरे अंतिम तिथि नजदीक आती गई लेकिन तख्तापलट का नेतृत्व करने वालों ने सत्ता से हटने का संकेत नहीं दिया। इसकी बजाए उन्होंने एक स्टेडियम में अपने समर्थकों को एकत्रित किया, जो उनकी जयजयकार कर रहे थे। उन्होंने देश के पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के झंडे के रंग से रंगे गए एक मुर्गे का सर कलम किया। अंतिम तिथि निकलने के बाद सैन्य सत्ताधारियों ने नाइजर की वायु सीमा को पूरी तरह से बंद कर दिया। उन्होंने कहा एक च्विदेशी शक्तिज् देश पर हमले की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि च्नाइजर की सशस्त्र सेनाएं देश की अखंडता की रक्षा करने के लिए तैयार हैं"।तख्तापलट के नेताओं ने नाइजर के युवाओं से आव्हान किया कि वे इस कठिन समय में देश की सेवा के लिए तैयार रहें। राजधानी के अब्दोऊ मौमौनी विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसकी प्रतिक्रिया में कहा कि वे इस आव्हान के अनुसार कार्य करेंगें। नाइजर के आक्रामक रूख के मद्देनजर इकोवास ने १० अगस्त को

एक असाधारण बैठक बुलाई है।

नाइजर में हुए तख्तपलट से एकदम साफ हो गया है कि लोगों ने फ्रांस के बोलबाले को उतने ही जोश से खारिज किया है जितने जोश से उनके पूर्वजों ने फ्रेंच साम्राज्य को किया था। इस तरह फ्रांस का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा कम हो रहा है। विकास सहायता के रूप में हर साल दो अरब डालर तक मिलने के बावजूद नाइजर दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक बना हुआ है, जहां साक्षरता दर केवल ३४ प्रतिशत है। यूरोपियन यूनियन नाइजर के लिए २०२४ में समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ५० करोड़ ३० लाख यूरो देने वाला था। इतनी मदद के बावजूद नाइजर में अब फ्रांस को युवा वर्ग में बेरोजग़ारी जैसी बड़ी समस्याओं के लिए दोषी ठहराया जाता है।

सन २०२० में माली और बुर्किनो फासो झ जो फ्रांस की दासता से सन् १९६० में मुक्त हुए थे झ में २०२१ और २०२२ (दो बार) तख्तापलट हुआ था। अब नाइजर ताजा देश है। इन सभी देशों में फ्रांस, बल्कि पूरे पश्चिम, के विरूद्ध नाराजगी लगातार बढ़ती रही, जबकि विरोधी ताकतों जिनमें रूस, तुर्की और चीन शामिल हैं, हालात का फायदा उठाने के मौके तलाशते रहे। बुर्किनो फासो और माली के सैन्य नेतृत्व ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि सैन्य हस्तक्षेप के जरिए बजौम को दुबारा सत्ता में लाने का प्रयास जंग का ऐलान माना जाएगा। भाड़े के सैनिकों का रूसी समूह वेगनर नाइजर के पड़ोसी देशों में सक्रिय है और उसने नाइजर के विद्रोहियों को मदद की पेशकश की है।नाइजर में आगे क्या होगा और नए सत्ताधारी जनरल अब्दुरहमाने चियानी क्या करने वाले हैं यह अस्पष्ट और अनिश्चित है। फ्रांस को आंखे दिखाते हुए और उपनिवेशवादी मानसिकता से उबरते हुए नाइजर में भ्रष्टाचार, मानवाधिकार हनन और अफरा–तफरी का माहौल रहेगा जिसमें जिहादियों और आतंकवाद को पनपने का मौका मिलेगा।इस तरह यह इलाका युद्ध के मुहाने पर खड़ा है। इकोवास पिछले दरवाजे से कोई समझौता करवाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम है कि सैन्य नेतृत्व झुकेगा और सत्ता दुबारा बजौम के हाथ में सौंपेगा। अगर युद्ध हुआ तो वह घातक होगा जिसमें कईयों की भूमिका होगी झ नाइजर की सत्ताधारी सेना, जिहादी, पश्चिमी देश, चीन और रूस और इसमें बड़ी संख्या में जानें जायेंगी।

संरक्षण या सरकार का शिकंजा?

संदेह है कि प्रस्तावित डेटा संरक्षण कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी।

केंद्र सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में डेटा प्रोटेक्शन बिल को ध्वनि मत से पास करा लिया। राज्यसभा से भी यह बिल पास हो जाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन विधेयक को पारित कराते हुए सरकार ने विपक्ष और इस क्षेत्र के जानकारों की चिंताओं का निवारण करने की कोशिश नहीं की है। जबकि यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि प्रस्तावित कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। बिल में प्रावधान कर दिया गया है कि सरकारी पदाधिकारियों का डेटा को संरक्षित किया जाएगा। इस तरह आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी। दूसरी तरफ बिल में केंद्र सरकार को कई तरह की छूट दी गई है। इसके तहत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, व्यवस्था बनाए रखने जैसे मामलों में डेटा सुरक्षा के नियम पालन के लिए बाध्य नहीं होगी और लोगों की व्यक्तिगत जानकारियों का इस्तेमाल कर सकेगी। उधर ऑनलाइन कंपनियों की मुश्किल भी बढ़ेगी।

बिल में कहा गया है कि अगर किसी ऑनलाइन प्लेट-फॉर्म को डेटा सुरक्षा से जुड़े मामले में दो बार सजा सुनाई जाती है, तो इसके बाद सरकार उसे भारत में बैन करने पर भी विचार कर सकती है। डेटा सुरक्षा के उल्लंघन के मामलों में २.५ अरब रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानून पत्रकारों के लिए भी नई चुनौतियां खड़ी करेगा।

पत्रकार संगठनों का कहना है कि कई मौकों पर पत्रकारों को लोगों की व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक करनी पड़ती हैं। इस बिल के कानून बनने के बाद ऐसा करना जोखिम भरा हो जाएगा। पत्रकारों और मीडिया घरानों पर इस कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मंडराता रहेगा। सरकार का दावा है कि यह कानून नागरिकों के डेटा को संरक्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। मगर बिल के प्रावधानों से ऐसा भरोसा नहीं बंधा है। बेहतर होता कि सरकार सभी हित–धारकों की चिंताओं का निवारण करने के बाद यह बिल संसद में लाती। लेकिन आज के दौर में ऐसी अपेक्षा करना कुछ ज्यादा मांगने जैसा हो गया है।

जारी है राहुल की भारत जोड़ो यात्रा!

कांग्रेस में इस बात को लेकर दुविधा है कि राहुल गांधी एक और यात्रा पर निकलें या लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाएं और उस पर अमल कराएं। ध्यान रहे राहुल की दक्षिण से उत्तर की पहली यात्रा पूरी हुई थी उसके बाद कहा गया था कि वे पूरब से पश्चिम की यात्रा पर निकलेंगे। असम या अरुणाचल प्रदेश से शुरू करके गुजरात तक की यात्रा की एक रूप–रेखा बनी थी। जानकार सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि अक्टूबर में यह यात्रा शुरू हो सकती है। हालांकि अभी तक इस यात्रा को लेकर ठोस जानकारी नहीं है।

इस बीच कांग्रेस की ओर से ऐसा संकेत दिया जा रहा है कि शायद यात्रा न हो क्योंकि कांग्रेस राहुल के अलग अलग समूहों से मुलाकात को भारत जोड़ा यात्रा का ही विस्तार बता रही है। पिछले दिनों राहुल गांधी दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी में गए थे, जहां उन्होंने आढ़तियों, मजदूरों, किसानों, कारोबारियों से मुलाकात की। इसे लेकर कांग्रेस ने ट्विट किया तो उसमें लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा जारी है। इससे पहले राहुल गांधी हरियाणा के किसानों से मिले थे। दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में छात्रों से मिले थे। दिल्ली यूनिवर्सिटी में जाकर भी छात्रों से मुलाकात की थी। एक दिन वे गैराज में चले गए थे, जहां मोटर मैकेनिकों से मुलाकात की। उससे पहले वे ट्रक में बैठ कर अंबाला से चंडीगढ़ गए थे और ट्रक ड्राइवरों से बात की थी। ये सब काम उन्होंने यात्रा के बाद किए हैं। कांग्रेस ने इन्हें भारत जोड़ो यात्रा बता रही है।इसके बावजूद कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेताओं का एक समूह चाहता है कि राहुल यात्रा पर निकलें। पहली यात्रा से कांग्रेस को चुनावी फायदा हुआ है और सबसे बड़ा फायदा राहुल गांधी की छवि बदलने में हुआ है। अब उनको अहंकारी कहा जा रहा है, चीन का एजेंट कह कर हमला किया जा रहा है, परिवारवादी बताया जा रहा है लेकिन पप्पू नहीं कहा जा रहा है। सोशल मीडिया में भी राहुल को पप्पू कहने का चलन अब लगभग बंद हो गया है। यह यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि आम लोग राहुल को गंभीरता से लेने लगे हैं। सो, दूसरी यात्रा से उनकी छवि और मजबूत होने की बात कही जा रही है और साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि जब यात्रा खत्म होगी तब लोकसभा चुनाव की घोषणा होने वाली होगी। उसमें कांग्रेस को इस यात्रा से बड़ा फायदा हो सकता है।

दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं के एक समूह ऐसा है, जो चाहता कि राहुल अब यात्रा पर न निकलें क्योंकि पहली यात्रा से ही इसका मकसद पूरा हो गया है। उनका कहना है कि नवंबर में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें से तीन बड़े राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना से राहुल अपनी पहली यात्रा में गुजरे हैं और वहां उनके चुनाव प्रचार में जाने का कांग्रेस को फायदा होगा।

जापान में तूफान खानून की चपेट में आने से 14 लोग घायल

टोक्यो ,एजेंसी। जापान के दक्षिण–पश्चिमी द्वीप क्यूशू में खानून तूफान की चपेट में आने से 14 से अधिक लोग घायल हो गये हैं। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, तूफान के कारण शक्तिशाली हवाएं चलीं और भारी बारिश हुयी जिससे कम से कम 14 लोग घायल हो गए। क्यूशू के क्षेत्रों में रिकॉर्ड बारिश होने से आपदा का खतरा बढ़ गया है। भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण क्यूशू में 12,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं रही।

क्यूशू में कई स्थानीय सरकारों द्वारा निकासी आदेश जारी किए गए हैं, जिसमें छह हजार से अधिक लोग कुमामोटो, नागासाकी, मियाज़ाकी और कागोशिमा प्रान्त में निकासी आश्रयों में शरण ले रहे हैं।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि क्यूशू और शिकोकू के कुछ क्षेत्रों में आज सुबह तीन बजे तक 24 घंटों में 450 मिमी से अधिक बारिश हुई। क्यूशू और शिकोकू फिलहाल तूफान की चपेट में है। अधिकारियों ने मौसम संबंधी आपदाओं की चेतावनी दी है।

दिव्यांगों के लिए बनाए हॉलिडे होम में लगी भीषण आग, 11 लोग जिंदा जले

पेरिस ,एजेंसी। फ्रांस के उत्तरपूर्वी शहर विंटजेनहेम में दिव्यांगों लोगों के लिए बनाए हॉलिडे होम में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। कोलमार शहर के उप अभियोजक नथाली कीलवासेर ने गुरुवार को बताया कि दो मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भूतल पर सो रहे सभी लोग आग लगने के बाद भागने में सफल रहे और पहली मंजिल पर रहने वाले पांच लोग सुरक्षित बाहर आ गए।

कुल मिलाकर 17 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि संभवतः आग धीमी गति से जलने वाली लौ के कारण लगी थी और धीरे–धीरे लकड़ी के ढांचे को अपनी आगोश में ले लिया।

गौरतलब है कि आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट करने के बाद लगभग 80 अग्निशामकों को हॉलिडे होम में आग बुझाने के लिए भेजा था। उन्होंने तत्काल आग पर काबू पा लिया था।यह इमारत विकलांग लोगों के एक समूह की मेजबानी कर रही थी जो फ्रांसीसी शहर नैन्सी से आए थे।

अशांति के बावजूद भाजपा मणिपुर में दोनों लोकसभा सीटें जीतेगी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी , (एजेंसी)। असम के अलावा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में या तो एक या अधिकतम दो लोकसभा सीटें हैं। अगले साल के आम चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए गुवाहाटी में बुलाई गई एक रणनीतिक बैठक में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा पूरे पूर्वोत्तर को एक ब्लॉक मानकर इस पर ध्यान केंद्रित करेगी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सभी 25 लोकसभा सीटों पर समान रूप से ध्या न केंद्रित किया जाएगा।बैठक में कई पूर्वोत्तर राज्यों के भाजपा प्रमुखों ने भाग लिया। सरमा ने दावा किया कि मणिपुर में जारी अशांति के बावजूद भाजपा असम में दोनों लोकसभा सीटें जीतेगी।उन्होंने कहा, मणिपुर में स्थिति चाहे जो भी हो, हम वहां दोनों लोकसभा सीटें जीतेंगे। सरमा ने कहा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे कई राज्यों में लगभग 30 लोकसभा सीटें हैं। अगर हम पूरे पूर्वोत्तर को एक इकाई मानें तो हमारे पास कुल 25 सीटें हैं। उन्होंने कहा, योजना सभी सीटें जीतने की होनी चाहिए, चाहे भाजपा हो या उसके सहयोगी दल।

रामलीला मैदान में ओपीएस पर सरकारी कर्मियों ने भरी हुंकार, बोले 'पुरानी पेंशन' देनी ही पड़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र एवं राज्यों के कर्मचारी संगठनों ने पुरानी पेंशन पर अपनी मंशा जाहिर कर दी है। गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में देशभर से आए लाखों कर्मियों ने 'ओपीएस' को लेकर हुंकार भरी है। कर्मचारियों ने दो टूक शब्दों में कहा, हर सूरत में केंद्र और राज्य सरकारों को पुरानी पेंशन बहाल करनी होगी। इसके लिए कर्मचारी संगठन अपना आंदोलन जारी रखेंगे। सरकार को अपनी जिद्द छोड़नी पड़ेगी। कर्मचारियों ने कहा, वे सरकार को वह फार्मला बताने को तैयार हैं, जिसमें सरकार को ओपीएस लागू करने से कोई नुकसान नहीं होगा। अगर इसके बाद भी सरकार, पुरानी पेंशन लागू नहीं करती है तो 'भारत बंद' जैसे कई कठोर कदम उठाए जाएंगे। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद 'जेसीएम' के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने कहा, लोकसभा चुनाव से पहले पुरानी पेंशन लागू नहीं होती है तो भाजपा को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कर्मियों, पेंशनरों और उनके रिश्तेदारों को मिलाकर यह संख्या दस करोड़ के पार चली जाती है। चुनाव में बड़ा उलटफेर करने के लिए यह संख्या निर्णायक है।

बता दें कि देश में पुरानी पेंशन लागू कराने के लिए पहली बार केंद्र एवं राज्य

सरकारों के कर्मचारी एक साथ आए हैं। केंद्र के सभी मंत्रालय/विभाग, रक्षा कर्मी (सिविल), रेलवे, बैंक, डाक, प्राइमरी, सेकेंडरी, कालेज एवं यूनिवर्सिटी टीचर, दूसरे विभागों एवं विभिन्न निगमों और स्वायत्तशासी संगठनों के कर्मचारी रामलीला मैदान में पहुंचे। दर्जनों नेताओं ने मंच से अपनी बात कही। शिवगोपाल मिश्रा ने बताया, ओपीएस को लेकर आंदोलन चलता रहेगा। वित्त मंत्रालय ने जो कमेटी बनाई है, उसमें 'ओपीएस' का जिक्र ही नहीं है। उसमें तो एनपीएस में सुधार की बात कही गई है। इसका मतलब है कि केंद्र सरकार, ओपीएस लागू करने के मूड में नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा एनपीएस में चाहे जो भी सुधार किया जाए, कर्मियों को वह मंजूर नहीं है। कर्मियों का केवल एक ही मकसद है, बिना गारंटी वाली 'एनपीएस' योजना को खत्म किया जाए और परिभाषित एवं गारंटी वाली 'पुरानी पेंशन योजना' को बहाल किया जाए।

शिवगोपाल मिश्रा के मुताबिक, यह पहली बार हुआ है, जब किसी एक ही मांग पर केंद्र और राज्यों के लाखों कर्मचारी एकत्रित हुए हैं। जनवरी से लेकर अभी तक विभिन्न राज्यों में जिला स्तर पर ओपीएस की मांग के लिए विरोध प्रदर्शन, साइकिल एवं पैदल यात्रा और दूसरे तरीके से आवाज उठाई जा रही है। देश में ऐसा कोई राज्य नहीं बचा है, जहां पर ओपीएस को लेकर आंदोलन न चल रहा हो। खास बात ये है कि राज्यों में शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग रहता है, इस बार वही वर्ग सबसे ज्यादा सक्रिय हो चुका है। रेल कर्मचारी, रक्षा विभाग के सिविल कर्मी, बैंक, डाक एवं दूसरे विभागों के कार्मिक, ओपीएस लागू कराने के लिए जी–जान से जुटे हैं। निगम एवं स्वायत्तशासी संगठन भी साथ आ गए हैं। विभिन्न राज्यों को मिलाकर तीन दर्जन से अधिक कर्मचारी संगठन, रामलीला मैदान में पहुंचे हैं। कर्मचारी नेताओं ने कहा, अपने जीवन के चालीस वर्ष सरकार को देने वाले लोगों को सरकार, उनके बुढ़ापे में ठोकरें खिलाने पर आमादा है।

केंद्र सरकार ने नेशनल पेंशन स्कीम में बदलाव के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यों की जिस कमेटी का गठन किया था, उसने 9 जून को स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद 'जेसीएम' के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसमें केंद्र सरकार के बड़े कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कमेटी को स्पष्ट तौर पर बता दिया था कि उन्हें पुरानी पेंशन के अलावा और कुछ भी मंजूर नहीं है। इस समस्या को हल करने का एकमात्र तरीका यही है कि बिना गारंटी वाली 'एनपीएस' योजना को खत्म किया जाए और परिभाषित एवं गारंटी वाली 'पुरानी पेंशन योजना' को बहाल किया जाए। समिति के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि कर्मचारी पक्ष द्वारा अपने ज्ञापन में दिए गए सभी बिंदुओं पर ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा चर्चा के दौरान जो भी प्वाइंट उठे हैं, उन पर गौर होगा। जो भी फाइनल रिपोर्ट तैयार होगी, उसमें कर्मचारी पक्ष द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

शिव गोपाल मिश्रा ने बताया, एनपीएस में कर्मियों जो पेंशन मिल रही है, उतनी तो बुढ़ावा पेंशन ही है। कर्मियों ने कहा है कि देश में सरकारी कर्मियों, पेन्शनरों, उनके परिवारों और रिश्तेदारों को मिलाकर वह संख्या दस करोड़ के पार पहुंच जाती है। अगर ओपीएस लागू नहीं होता है तो लोकसभा चुनाव में भाजपा को राजनीतिक नुकसान झेलना होगा। कांग्रेस पार्टी ने ओपीएस को अपने चुनावी एजेंडे में शामिल किया है। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की जीत में ओपीएस की बड़ी भूमिका रही है। एक जनवरी 2004 से सरकारी सेवा में आए कर्मियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था से बाहर कर उन्हें एनपीएस में शामिल कर दिया गया। एनपीएस स्कीम में शामिल कर्मी, 18 साल बाद रिटायर हो रहे हैं, उन्हें क्या मिला है। एक कर्मी को एनपीएस में 2417 रुपये मासिक पेंशन मिली है, दूसरे को 2506 रुपये और तीसरे कर्मी को 49 सौ रुपये प्रतिमाह की पेंशन मिली है। अगर यही कर्मचारी पुरानी पेंशन व्यवस्था के दायरे में होते तो उन्हें प्रतिमाह क्रमशः 15250 रुपये, 17150 रुपये और 28450 रुपये मिलते। एनपीएस में कर्मियों द्वारा हर माह अपने वेतन का दस प्रतिशत शेयर डालने के बाद भी उन्हें रिटायरमेंट पर मामूली सी पेंशन मिलती है। इस शेयर को 14 या 24 प्रतिशत तक बढ़ाने का कोई फायदा नहीं होगा।

सेना में भर्ती न मिल पाने से निराश युवक ने खुद को मारी गोली

बहराइच , (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले के कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत आदिलपुर गांव निवास एक युवक का नाम सेना में भर्ती के लिए मेडिकल टेस्ट पास न कर पाने से निराश होकर गुरूवार सुबह खुद को गोली मार ली,जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार कोतवाली देहात अंतर्गत ग्राम आदिलपुर निवासी रोहित शर्मा (23) पुत्र उमेश चंद्र शर्मा ने आत्महत्या कर ली । रोहित सेना में भर्ती के लिए तैयारी कर रहा था। राहित के चाचा कुलदीप शर्मा ने बताया कि सेना में जाने के लिए वह पांच बार परीक्षा दे चुका था। इस बार उसका नाम एसएससी जीडी भर्ती में आ गया था। बीते शुक्रवार को बिजनौर में दौड़ समेत अन्य सभी मेडिकल निकाल लिया लेकिन पैर में काले दाग होने के चलते उसे लखनऊ बुलाया गया। बुधवार को युवक लखनऊ में सेना के अस्पताल में मेडिकल जांच कराने गया। लखनऊ कैंट स्थित सेना के अस्पताल में रोहित का मेडिकल हुआ लेकिन पैर में दाग होने के चलते उसे बाहर कर दिया गया। इस पर निराश होकर रोहित रात में लखनऊ से घर आया।

बेटे ने अपने पिता को दिया जीवनदान, अपने लीवर का एक हिस्सा किया डोनेट

लखनऊ,(एजेंसी)। एक बेटे ने अपने पिता को जीवनदान देते हुए उन्हें अपने लीवर का एक हिस्सा दान में दिया। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस लीवर ट्रांसप्लांट का पूरा खर्च सरकार ने उठाया। 13 जुलाई को डॉक्टरों ने लीवर ट्रांसप्लांट का सफल ऑपरेशन किया। मरीज को ऑपरेशन के बाद बुधवार को छुट्टी दे दी गई। ऑपरेशन के लिए परिवार को सरकार से भी पूरा समर्थन मिला। इस प्रत्यारोपण से जुड़े खर्चों को मुख्यमंत्री राहत कोष से जारी किया गया था। डॉक्टरों के अनुसार इंदिरा नगर निवासी एक दुकानदार रवि केशरवानी (47) लीवर सिरोसिस से पीड़ित थे। बेटे सुकेश केशरवानी ने अपने लीवर का एक हिस्सा पिता को देकर उनका जीवन बचाया।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राजस्थान सरकार के अधिकारी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम मामले में कई राज्यों में छापेमारी के बाद राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक वेद प्रकाश यादव को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों के मुताबिक, यादव को बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया।

ईडी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ और राजस्थान के जयपुर में छापेमारी की। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद और जब्त किए गए।

गुरुवार को ईडी दस्तावेजों के बारे में यादव से पूछताछ कर सकती है। ईडी द्वारा जुटाए गए सबूतों से उनका आमना–सामना कराया जाएगा।ईडी उसे राजस्थान की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश करेगी। सूत्रों ने कहा कि वे उसकी हिरासत की मांग करेंगे।सूत्रों ने कहा, हम 2 करोड़ 31 लाख रुपये की नकदी के संभावित लिंक की जांच कर रहे हैं, जो जयपुर स्थित योजना भवन के तहखाने से बरामद की गई थी।मई में 2.31 करोड़ रुपये नकद और एक किलो सोना बरामद हुआ था। इसके बाद जयपुर पुलिस ने यादव को आरोपी बनाया था। इसके बाद अशोक नगर थाना प्रभारी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद यादव को हिरासत में ले लिया गया और एसीबी को सौंप दिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यादव पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया है।फिलहाल ईडी ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

जम्मू–कश्मीर के बडगाम से लश्कर के तीन आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर ,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर मध्य कश्मीर के बडगाम जिले से प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने कहा, पुलिस ने सेना (62 आरआर) के साथ मिलकर जिला बडगाम के खानसाहब इलाके में 3 आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया।उनकी पहचान क्रेमशोरा निवासी क़ैसर अहमद डार, वागर निवासी ताहिर अहमद डार और वागर निवासी आकिब रशीद गनी के रूप में की गई है।उनके कब्जे से एक चीनी हथगोला, दो मैगजीन और 57 जिंदा राउंड सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

बड़ी राहत की तैयारी: 20 रुपये लीटर मिलेगा सरसों का तेल

सभी को नहीं मिलेगा लाभ, केवल इस श्रेणी का होगा फायदा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया एक लाख रुपये से कम आय वालों को दो लीटर फोर्टिफाइड सरसों का तेल 20 रुपये प्रति लीटर की रियायती दर पर वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एएवाई और बीपीएल परिवारों को जून 2021 से सरसों तेल के स्थान पर 250 रुपये प्रति परिवार डीबीटी दी जा रही थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा लाभार्थियों के हितों के मद्देनजर इस स्कीम पर पुनर्विचार करते हुए निर्णय लिया है कि ऐसे परिवार जिनकी परिवार पहचान पत्र में सत्यापित वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है, उन्हें जुलाई 2023 से दो लीटर फोर्टिफाइड सरसों का तेल 20 रुपये प्रति लीटर की रियायती दर

पर वितरित किया जाएगा।

जिला फरीदाबाद में इस स्कीम में प्रत्येक मास लगभग 18 लाख एएवाई/बीपीएल परिवार लाभान्वित होंगे। राज्य सरकार द्वारा सरसों का तेल उपलब्ध करवाने के लिए राज्य की दो एजेंसियों हैफेड तथा हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज (हरहित) को चुना गया है। जिनके द्वारा प्रत्येक माह सरसों का तेल कान्फेड के प्वाइंट पर डिलीवर किया जाएगा।

इसके लिए हैफेड को 15 व हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज (हरहित) को सात जिले अलॉट किए गए हैं। सरसों के तेल का वितरण लाभार्थियों को बिकी यंत्र के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण उपरांत डिपो धारकों के माध्यम से जुलाई से किया जाना था। परंतु किसी कारणवश जो लाभार्थी जुलाई के लिए आवंटित सरसों तेल प्राप्त करने से वंचित रह गए थे, उन्हें अगस्त पिछले माह का सरसों तेल वितरित किया जाएगा। दोनों महीनों के लिए बायोमैट्रिक पंच अलग–अलग किया जाएगा।

श्रावण में टूटा प्रसादी बिकने का रिकार्ड

40 दिन में महाकाल को भोग में चढ़े आठ करोड़ से अधिक के लड्डू

उज्जैन, एजेंसी। श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में श्रावण माह में श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड आगमन हो रहा है। श्री महाकाल महालोक बनने के बाद श्रावण माह में चार जुलाई से लेकर अब तक एक करोड़ पांच लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। दर्शन हेतु आने वाले भक्त श्री महाकालेश्वर मंदिर के आंतरिक और बाहरी परिसर में स्थित काउंटर से 40 दिन में आठ करोड़ का लड्डू प्रसाद ले गए।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबन्ध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर संदीप कुमार सोनी ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति दर्शनार्थियों को पर्याप्त मात्रा में सरलता से लड्डू प्रसाद उपलब्ध करवाया। श्रावण माह में श्री महाकालेश्वर मंदिर में एक जुलाई से नौ अगस्त तक 1804 क्विंटल से अधिक लड्डू प्रसाद का निर्माण हुआ, लगभग 45 क्विंटल लड्डू का निर्माण प्रतिदिन किया गया। लड्डू प्रसाद विक्रय हेतु मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए काउंटर लगाए गए हैं।

मेरठ में दिनदहाड़े वारदात : घर के बेडरूम में घुसकर दंपती पर बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां, व्यापारी की मौत

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में गुरुवार सुबह एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया। यहां ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में घर में घुसकर दंपती पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमले में व्यापारी पति की मौत हो गई है। सूचना पर ब्रह्मपुरी थाना पुलिस समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा है।

बताया गया कि ब्रह्मपुरी निवासी मृतक धन कुमार जैन (70) अपनी पत्नी अंजू जैन के साथ गुरुवार सुबह के समय परिवार सहित रहते हैं। यहां गुरवार सुबह बदमाशों ने उन पर घर में घुसकर गोलियां बरसा दीं। हमले में पति–पत्नी घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। वहीं वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। बताया गया कि व्यापारी धन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण भी मौके पर पहुंचे हैं।

ब्रह्मपुरी थानाक्षेत्र निवासी धनकुमार जैन अपने दो बेटों के साथ रहते हैं। उनका बड़ा बेटा नवीन और उसकी पत्नी बेटे को प्रतिदिन स्कूल छोड़ने के लिए जाते हैं जहां से वह कंपनी बाग में टहलने के लिए निकल जाते हैं। गुरुवार को भी नवीन बेटे को स्कूल छोड़ने के लिए निकले थे। दूसरा बेटा घर पर ही था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश घर में घुस गए और छोटे बेटे को एक कमरे में बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाश दूसरे कमरे में पहुंचे जहां धनकुमार जैन पत्नी के अंजू जैन के साथ मौजूद थे।

हिमाचल के दो व्यक्तियों ने चांद पर जमीन खरीदने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्सर इस बात को सुनने को मिलता है कि अमुक आदमी ने चांद पर जमीन खरीदी है। कभी सुपरस्टार अभिनेता शाहरूख खान का नाम, तो कभी सुशांत सिंह राजपूत का नाम चांद पर जमीन खरीदने वालों की सूची में पढ़ने को मिला है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के दो व्यक्तियों ने दावा किया है कि उन्होंने चंद्रमा में जमीन खरीदी है।

इस बीच हमें जानना जरूरी है कि आखिर अभी किसने चंद्रमा की जमीन खरीदने का दावा किया है? अगर जमीन बेची जाती है तो मालिक कौन है? चांद पर जमीन खरीदने का नियम क्या है?हिमाचल के हमीरपुर जिले के कोहला पलासड़ी गांव निवासी सौरभ कुमार ने चांद पर जमीन खरीदने का दावा किया है। पेशे से मेकेनिकल इंजीनियर सौरभ की मानें तो उन्होंने चांद पर आठ

कनाल जमीन खरीदने के लिए ऑनलाइन अप्लाई किया था। जिस पर खरीदी गई जमीन के दस्तावेज भी लॉस एंजल्स की इंटरनेशनल लूनर लैंड अथॉरिटी की तरफ से उन्हें भेज दिए गए हैं।

एक दिन पहले ही हमीरपुर के वार्ड नंबर पांच निवासी एडवोकेट अमित शर्मा ने अपनी बेटी को जन्मदिवस पर चांद पर जमीन खरीद का उपहार देने का दावा किया था। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2018 में चांद पर जमीन खरीदने की बात कही थी। सुशांत ने भूमि इंटरनेशनल लूनर लैंड्स रजिस्ट्री से खरीदने का दावा किया था।

चंद्र पर भूमि खरीदने के लगातार दावों से सवाल उठता है कि आखिर चांद किसकी संपत्ति है और यह किसे विरासत में हासिल हुई है? जानकारी के मुताबिक, पृथ्वी पर बसी दुनिया के अधिकांश देशों ने इसे कॉमन हेरिटेज का दर्जा प्रदान किया हुआ है। कॉमन हेरिटेज शब्द का प्रयोग सार्वजनिक विरासत के रूप में किया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई भी इसका निजी इस्तेमाल के लिए प्रयोग नहीं कर सकता है।

कॉमन हेरिटेज पूरी मानवता के लिए होता है। अगर इसका कोई भी निजी प्रयोग नहीं कर सकता है तो खरीद–बिक्री कैसे? इसका सामान्य सा जवाब है कि इसकी कोई आधिकारिक मान्यता होगी नहीं।

आखिर चांद की जमीन कौन बेच रहा है?

इस सवाल के कई जवाब में सबसे बड़ा नाम इंटरनेशनल लूनर लैंड्स रजिस्ट्री नामक जमीन बेचने वाली एक वेबसाइट का नाम आया है। इस वेबसाइट पर जाते ही आपको कई भाषाओं में 'अंतर्राष्ट्रीय चंद्र भूमि क्षेत्र चांद में आपका स्वागत है। चंद्र रियल एस्टेट, चंद्रमा पर संपत्ति' लिखा हुआ मिलेगा। अन्य जानकारियां दी गई हैं।

क्या चांद पर जमीन बेचना या खरीदना वैध है?

अब सवाल यह उठता है कि चांद अगर कॉमन हेरिटेज है, तो यह संपत्ति इंटरनेशनल लूनर लैंड्स रजिस्ट्री वेबसाइट पर कैसे बिक रही है। यह वेबसाइट दावा करती है कि कई देशों ने आउटर स्पेश में इसे जमीन बेचने के लिए अधिकृत किया है। जुलाई 1969 में अमेरिकियों के चंद्रमा पर उतरने से पहले अमेरिका और सोवियत संघ में काफी समय से अंतरिक्ष में जाने की दौड़ चल रही थी। इस बीच अटकलें लगाई गईं कि जो पहले पहुंचा वो संसाधनों का दुरुपयोग करेगा। इस कारण से, जनवरी 1967 में भारत समेत 110 देशों ने एक समझौता किया, जिसे आउटर स्पेश ट्रीटी के नाम से जाना जाता है। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ ने 'चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों सहित बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग में देशों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि पर हस्ताक्षर किए। अक्तूबर 1967 में आउटर स्पेश ट्रीटी प्रभावी हुई और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष कानून की नींव बन गई। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र की एक समर्पित एजेंसी यूएनओओएसए है।

यूएनओओएसए यानी बाहरी अंतरिक्ष मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय इस संधि की देखभाल करता है। आउटर स्पेश ट्रीटी औपचारिक रूप से चंद्रमा और अन्य आकाशीय निकायों सहित बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग में देशों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाली सिद्धांतों पर एक संधि है। इसके मुताबिक आउटर स्पेश में चांद भी शामिल है, जो कॉमन हरिटेज है, जिसका मतलब होता है कि इसका कोई भी निजी इस्तेमाल के लिए प्रयोग नहीं कर सकता है।

संधि के अनुच्छेद में कहा गया है, 'चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों सहित बाहरी अंतरिक्ष, संप्रभुता के दावे, उपयोग या कब्जे या किसी अन्य माध्यम से राष्ट्रीय उपयोग के लिए नहीं है।' इसके अनुसार, चंद्रमा पर कोई देश अपना दावा नहीं कर सकता। यह पृथ्वी ग्रह पर रहने वाले सभी लोगों के लिए है।

हालांकि, संधि व्यक्तियों के लिए नियम निर्दिष्ट नहीं करती है। इस वजह से, कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि संपत्ति के अधिकारों को क्षेत्रीय संप्रभुता के बजाय क्षेत्राधिकार के आधार पर मान्यता दी जानी चाहिए। फिर, संधि के अनुच्छेद श्क में कहा गया है कि सरकारें किसी भी पक्ष के कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए, यह स्पष्ट है कि संधि सभी सार्वजनिक या निजी संस्थाओं पर लागू होती है।

क्लार्क ने 2015 में लौटाया ऑस्ट्रेलिया का गौरव, पांचवी बार विश्व कप में रचा इतिहास

नई दिल्ली। : भारत ने 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उसका तीन बार से चला आ रहा ट्राफी जीतने का अभियान रोक दिया था, लेकिन ठीक चार वर्ष बाद आस्ट्रेलिया ने माइकल क्लार्क की कप्तानी में 2015 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहले भारत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और फिर सह–मेजबान न्यूजीलैंड को पराजित कर पांचवीं बार विश्व विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था।

ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप दिलाने वाले चौथे कप्तान–

ऑस्ट्रेलिया ने 1987 में एलन बार्डर, 1999 में स्टीव वा और 2003 तथा 2007 में रिकी पोंटिंगफकी कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। वहीं, 2015 में अपनी कप्तानी में टीम को विश्व विजेता बनाने के साथ ही माइकल क्लार्क का नाम भी इसमें शामिल हो गया। वह अपने देश के ऐसे चौथे कप्तान बने, जिन्होंने टीम को वनडे विश्व कप की ट्रॉफी दिलाई।

अपने अंतिम विश्व कप में दिलाई ट्राफी–

2015 वनडे विश्व कप माइकल क्लार्क के करियर का अंतिम विश्व कप था। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में हुए वैश्विक टूर्नामेंट में कंगारू टीम ट्राफी के प्रबल दावेदार के रूप में उतरी थी। उस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया ने नौ मैचों में सात जीते थे, जबकि बांग्लादेश के विरुद्ध ग्रुप चरण का उसका मैच बिना एक भी गेंद फेकें रद हो गया था। न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण में एक विकेट से हराया था, लेकिन कंगारू टीम ने फाइनल में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की थी। माइकल क्लार्क के करियर का यह अंतिम वनडे मुकाबला भी रहा।

'नाम बड़े और दर्शन छोटे, पाकिस्तान से हारेगा भारत..'

नई दिल्ली,2023 भारतीय फैंस को अब 14 अक्टूबर के दिन का बेसब्री से इंतजार है और हो भी क्यों न भला, इस दिन भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे विश्व कप का कांटेदार मुकाबला खेला जाएगा।

विश्व कप 2023 के आगाज में अब 56 दिन बाकी रहते है। हाल ही में आईसीसी ने विश्व कप के 9 मैचों के शेड्यूल में बदलाव किया था, जिसके बाद भारत–पाक के मैच की तारीख अब पक्की हो गई है।

इस मैच के लिए पूरा माहौल भी बन चुका है और जुबानी जंग की शुरुआत हो चुकी है। हाल ही में पूर्व पाकिस्तान क्रिकेटर आकिब जावेद ने एक वेबसाइट से बातचीत करते हुए बड़ा दावा ठोका है।

उन्होंने अपने बयान में भारतीय टीम की दो कमजोरियों का उजागर किया। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से भारत मैच हार जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान टीम के पूर्व क्रिकेटर आकिब जावेद अक्सर अपने बयानों के चलते सुर्खियां बटोरते रहते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज आकिब ने विश्व कप 2023 से पहले अपने एक बयान से हर किसी को हैरान कर दिया है। जावेद ने भारत–पाकिस्तान के मैच को लेकर कहा कि पाकिस्तान की टीम भारत में जाकर विश्व कप के मैच में भारत को हराने का दमखम रखती है।

उन्होंने पाकिस्तान टीम को भारतीय टीम से बेहतर बताया है। जावेद ने कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान की टीम संतुलित है और खिलाड़ियों की उम्र का ग्राफ काफी बेहतर है। भारत के पास बड़े नाम के खिलाड़ी है, लेकिन ज्यादातर खिलाड़ी फॉर्म और फिटनेस से जूझ रहे हैं। उन्होंने साथ ही ये दावा ठोका है कि बाबर आजम की टीम के जीतने की संभावना ज्यादा मजबूत है।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान के पास भारत में टीम इंडिया को हराने का शानदार मौका है। पाकिस्तान के पास शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह जैसे तेज गेंदबाजी अटैक है।

यशस्वी जायसवाल भी गजब हैं, 1 रन पर आउट होने के बावजूद किया कमाल

नई दिल्ली, हक युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए टी–20 में डेब्यू कर लिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी–20 मैच में यशस्वी जायसवाल को ये सुनहेरा मौका मिला। उन्हें ईशान किशन की जगह प्लेइंग–11 में शामिल किया गया। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए रनों का अंबार लगाने वाले यशस्वी से ये उम्मीद थी कि वह डेब्यू मैच में भी तूफानी पारी खेलेंगे, लेकिन ऐसा कुछ हो नहीं सका।

यशस्वी पहले टी–20 मैच में 1 रन बनाकर आउट हुए। भले ही उन्हें इस स्कोर को देखकर निराशा हुई होगी, लेकिन उन्होंने अपने पहले टी–20 मैच में एक खास मुकाम हासिल किया। आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

दरअसल, यशस्वी जायसवाल ने टी–20 मैच में डेब्यू करने के साथ ही भारतीय खिलाड़ियों के खास क्लब में एंट्री मार ली है। टी–20 में उन्होंने सबसे कम उम्र में डेब्यू मैच में ओपनिंग की है। यशस्वी जायसवाल ने 21 साल 233 दिन की उम्र में ये कारनामा कर दिखाया।

उनसे पहले पृथ्वी शॉ ने साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ 21 साल 258 दिन में ये कमाल किया था। वहीं, ईशान किशन ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ 22 साल 239 दिन में डेब्यू मैच में ओपनिंग की थी।

दूसरी गेंद पर ही आउट हुए यशस्वी जायसवाल

मैच में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अपनी दूसरी ही गेंद पर विकेट गंवा बैठे।

15 अगस्त को जन्मे थे 2 भारतीय क्रिकेटर,धांसू शुरुआत के बावजूद नहीं मिला लक का साथ

नई दिल्ली, आगामी स्वतंत्रता दिवस को लेकर भारत में तैयारियां चरम पर है। हर साल आजादी का ये महोत्सव पूरे देश में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है।

बता दें कि 15 अगस्त साल 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। कई कुर्बानियों के बाद मिली ये आजादी कई मायनों में खास है, लेकिन अगर क्रिकेट के लिहाज से देखें तो इस दिन ज्यादा मुकाबले तो खेले नहीं गए है, लेकिन ऐसे दो भारतीय क्रिकेटर्स का इस दिन जन्म जरूर हुआ था। इन दोनों ही भारतीय स्टार क्रिकेटर्स के जन्मदिन को हमेशा ही याद किया जाता है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर विजय भारद्वाज और पूर्व महिला क्रिकेटर हेमलता काला का आजादी के दिन जन्म हुआ था। आइए जानते हैं इन दोनों ही खिलाड़ियों के बारे में विस्तार से।

दाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज और ऑफ स्पिनर विजय भारद्वाज का जन्म 15 अगस्त 1975 को हुआ था। साल 1999 में विजय ने अपने करियर का आगाज किया था। नैरोबी में हुई त्रिकोणीय सीरीज में भारत के अलावा केन्या और साउथ अफ्रीका की टीमें खेल रही थी। उस सीरीज में विजय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल 10 विकेट लिए और बिना आउट हुए 89 रन बनाए थे। विजय चश्मा लगाकर खेला करते थे। वह बैटिंग और बॉलिंग दोनों समय चश्मा पहनकर शानदार प्रदर्शन करते थे। उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का अगला बड़ा सितारा कहा जाने लगा था, लेकिन विजय अपने करियर में भारत के लिए केवल तीन टेस्ट और 10 वनडे मैच खेल सके। बता दें कि विजय को स्लिप डिस्क की दिक्कत दी, जिससे ठीक होने के बाद उन्होंने अपना आंखों का ऑपरेशन कराया था। उन्होंने कहा कि वे चश्मा लगाकर खेलते थे। ऐसे में किसी ने चश्मा हटाने के लिए उन्हें ऑपरेशन कराने की सलाह दी, लेकिन इसके बाद उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई और जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। इस वजह से विजय भारद्वाज का इंटरनेशनल क्रिकेट भी जल्द समाप्त हो गया।

आजादी के दिन हुआ था हेमलता काला का जन्म

बता दें कि यूपी के आगरा में 15 अगस्त 1975 को हेमलता काला का जन्म हुआ था। वह भारतीय महिला क्रिकेट की अहम खिलाड़ियों में से एक रही। हेमलता ने भारतीय महिला टीम के लिए 1999 से 2008 तक 7 टेस्ट, 78 वनडे और एक टी–20 मैच खेला। हेमलता ने अपने टेस्ट करियर का अंत 50 से भी ज्यादा रन की औसत के साथ किया। हालांकि, वनडे में किस्मत ने उनक साथ नहीं दिया।

फिल्मी दुनियां

कंगान रनौत की चंद्रमुखी 2 से सामने आई पहली झलक

कंगना रनौत स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी 2 से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. लाइका प्रोडक्शंस ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है जिसमें कंगना ग्रीन कलर की साड़ी पहने दिखाई दे रही हैं. कंगना साड़ी के साथ हैवी ज्वैलरी पहने नजर आ रही हैं. उनके इस लुक ने फैंस में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट भर दी है.

पोस्टर में कंगना एक महल के अंदर खड़ी होकर पोज देती दिखाई दे रही हैं. लाइका प्रोडक्शंस ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा– खूबसूरती और पोज जो शिद्दत से हमारा ध्यान चुरा लेती है! पेश है चंद्रमुखी 2 से चंद्रमुखी के रूप में कंगना रनौत का आकर्षक, प्रभावशाली और खूबसूरत पहला लुक. इस गणेश चतुर्थी पर तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज़ किया जा रहा है!

बता दें कि इससे पहले लाइका प्रोडक्शंस ने कंगना का एक वीडियो भी शेयर किया था. इस वीडियो में कगंना की अलग–अलग फिल्मों फैशन, तनु वेड्स मनु, क्रिश 3, क्वीन, मणिकर्णिका से लेकर चंद्रमुखी 2 तक उनके किरदारों को दिखाया गया था. इस वीडियो साथ कैप्शन में लिखा था– इंतजार खत्म हुआ! अपनी बोल्डनेस, खूबसूरती और कैरेक्टर से सालों तक हमारे दिलों पर राज करने वाली रानी वापस आ गई हैं! देखते रहिए क्योंकि हम कल सुबह 11 बजे चंद्रमुखी 2 से कंगना का पहला लुक जारी करेंगे!

चंद्रमुखी 2 ब्लॉकबस्टर हिट तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है. फिल्म में कंगना राजा के दरबार में एक नर्तकी के किरदार में नजर आएंगी, जो अपनी खूबसूरती और टैलेंट के लिए जानी जाती थी. फिल्म में राघव कंगना के साथ लीड रोल में नजर आएंगे. लाइका प्रोडक्शंस और सुबास्करन की ये फिल्म सितंबर में तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी.

चंद्रमुखी 2 के अलावा कंगना रनौत कई दूसरी फिल्मों में दिखाई देने वाली हैं. वे फिल्म तेजस में इंडियन एयर फोर्स पायलट के रोल में नजर आएंगी. वहीं फिल्म इमरजेंसी में वह दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा की भूमिका निभाती दिखाई देंगी.

चिरंजीवी की भोला शंकर का गाना रेज ऑफ़ भोला रिलीज़

ब्रो की रिलीज के ठीक दो हफ्ते बाद, प्रतिष्ठित मेगास्टार चिरंजीवी अभिनीत एक और मेगा फिल्म, भोला शंकर, एक भव्य शुरुआत के लिए तैयार हो रही है। चिरू ने निर्देशक मेहर रमेश को, जो काफी समय से फिल्मों से दूर हैं, इस परियोजना को निर्देशित करने का अवसर दिया है। यह फिल्म वेधालम का आधिकारिक रीमेक है।

जैसा कि वादा किया गया था, फिल्म निर्माताओं ने अब रैप गीत रेज ऑफ़ भोला का अनावरण किया है, जिसे प्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान ने लॉन्च किया है। गाने के बोल मेहर रमेश और फिरोज़ इज़ाइल द्वारा तैयार किए गए हैं, जबकि रैपर असुर और फिरोज़ इज़ाइल ने अपनी आवाज़ दी है। यह गाना फिल्म में चिरु के चरित्र पर प्रकाश डालता है।

सुष्मिता सेन की वेब सीरीज ताली का ट्रेलर जारी, अभिनेत्री के दमदार अवतार ने जीता दिल

अभिनेत्री सुष्मिता सेन पिछले काफी समय से वेब सीरीज ताली को लेकर चर्चा में है। जब से इससे उनकी झलक सामने आई है, प्रशंसक इसकी रिलीज को लेकर उत्साहित हैं।उन्होंने पहले ही उनकी इस सीरीज को सुपरहिट बता दिया है। इसमें सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर (किन्नर) की भूमिका में नजर आएंगी और इसी वजह से वह चारों ओर चर्चा में हैं।अब इस बहुचर्चित सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसका इंतजार दर्शकों को बेसब्री से था।

सुष्मिता ताली में ट्रांसजेंडर गौरी सावंत की भूमिका में दिख रही हैं और उनका यह धाकड़ अवतार देखने लायक है। लगता है वह फिर दर्शकों को अपना मुरीद बनाने के लिए तैयार हैं।सुष्मिता का अभिनय देख यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्होंने गौरी की जिंदगी के हर पल को पूरे दिल से जिया है।उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रेलर साझा कर लिखा, गौरी आ गई है अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की कहानी लेकर। ताली बजाएंगे नहीं, बजवाएंगे।

रवि जाधव के निर्देशन में बनी ताली में सुष्मिता सेन, गौरी सावंत के रोल में हैं। ट्रेलर की शुरुआत सुष्मिता सेन के यंगर वर्जन से होती है। इसमें दिखाया गया है कि स्कूल लाइफ तक तो सब ठीक होता है। लेकिन समस्या तब आती है, जब वह कॉलेज जाती है। अब उसके लिए अपनी पहचान को छुपा पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाता है। उसे बहुत ताने सुनने पड़ते हैं।

संगीन में नवाजुद्दीन के साथ अभिनय को लेकर उत्साहित हैं एलनाज नोरोजी

बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा से जगह बनाने वाली ईरानी मूल की अभिनेत्री एलनाज नोरोजी ने कहा कि वह नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ दूसरी बार फिल्म संगीन में काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अपने पहले शो सेक्रेड गेम्स से सभी को प्रभावित करने वाली एलनाज धीरे–धीरे इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। अभिनेत्री, जो अगली बार मेड इन हेवन सीजन 2 में दिखाई देंगी, इस शो के लिए बहुत उत्साहित हैं।

अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए एलनाज ने कहा, मैं जल्द ही नवाजुद्दीन के साथ संगीन नामक फिल्म में नजर आऊंगी। तेलुगु फिल्म डेविल में एक डांस नंबर है। एक बॉलीवुड फिल्म में एक विशेष भूमिका है। श्रृंखला अगले महीने आ रही है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मैं अपने प्रशंसकों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे अपने देश और बॉलीवुड जगत में स्वीकार किया है।मेड इन हेवन सीजन 2 में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझसे मिलने के बाद जोया ने मेरा किरदार बदल दिया। पहले उसने एक भारतीय किरदार लिखा था लेकिन मुझसे मिलने के बाद उसने कहा कि मैं तुम्हारा किरदार बदलना चाहती हूं। क्योंकि मैं ईरान से हूं। , तो यह काम कर गया। इस किरदार को निभाना मजेदार था क्योंकि कुछ जगहों पर मैं इस किरदार से मेल खाता था और कुछ जगहों पर मैं उससे बिल्कुल अलग था।

अनुपम खेर की द फ्रीलांसर का ऐलान, 1 सितंबर को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी वेब सीरीज

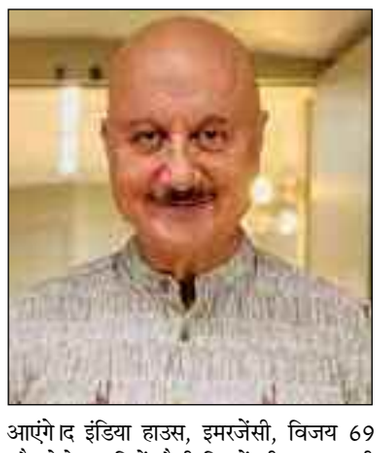

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी पहली वेब सीरीज द फ्रीलांसर का ऐलान कर दिया है। इसका निर्देशक नीरज पांडे द्वारा किया जा रहा है।द फ्रीलांसर में अनुपम के अलावा कश्मीरा, सुशांत सिंह, मंजरी फडनीस और मोहित रैना जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। द फ्रीलांसर का प्रीमियर 1 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर किया जाएगा।

द फ्रीलांसर का टीजर सामने आ चुका है, जो एक्शन और सस्पेंस से भरपूर है। डिज्नी+ हॉटस्टार ने ट्विटर पर सीरीज का टीजर साझा किया है। उन्होंने लिखा, नीरज पांडे के एक्शन और दिल को तेज कर देने वाली रोमांचक यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हो जाइए।आने वाले दिनों में अनुपम द वैक्सीन वॉर में नजर आएंगे।द इंडिया हाउस, इमरजेंसी, विजय 69 और मेट्रो इन दिनों जैसी फिल्में भी अनुपम की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार हैं। द फ्रीलांसर में मोहित रैना टाइटल रोल में हैं, जबकि अनुपम खेर एक एनालिस्ट बने हैं। यह वेब सीरीज शिरीष थोराट की बेस्ट सेलिंग किताब ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है। इसे भाव धूलिया ने डायरेक्ट किया है। इस वेब सीरीज की कहानी एक रेस्क्यू ऑपरेशन पर आधारित हैं, जिसमें इस्लामिक स्टेट के कब्जे वाले सीरिया में मालदीव की एक युवा लडक़ी को जबरदस्ती पकडक़र रखा जाता है। वह किस तरह वहां से निकलने की कोशिश करती है, उसे सीरीज में दिखाया जाएगा। सीरीज में इस किरदार का नाम आलिया है, जिसे कश्मीरा ने निभाया है। द फ्रीलांसर को कई विदेशी लोकेशनों पर शूट किया गया है। मोहित रैना की बात करें तो टीवी शो देवों के देवः महादेव से स्टारडम बटोरने वाले एक्टर पिछले कुछ समय में कई वेब सीरीज में नजर आए हैं, और ओटीटी की दुनिया में छा चुके हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com